RAJHIN/2016/70516 Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रूबरू smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 अंक-331 जयपुर, मंगलवार, 02 जून 2026 मूल्य-4 रुपये

प्रदेश के 10 जिलों में अंधड़ के साथ बारिश, अजमेर-नागौर में ओले गिरे

पूरे सप्ताह चलेगा आंधी-बारिश का दौर

5 शहरों का तापमान 40 डिग्री से ऊपर

जयपुर

राजस्थान में सोमवार को वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव होने से सवाई माधोपुर, कोटा, चित्तौड़गढ़, अजमेर, नागौर, जोधपुर, पाली, टोंक, उदयपुर और अलवर जिले में बारिश हुई। अजमेर, नागौर और चित्तौड़गढ़ में ओले भी गिरे। मौसम विभाग के अनुसार इसका असर 4 जून तक रहेगा।

उदयपुर जिले के गोगुंदा में आंधी से घरों के ऊपर लगे टिन शेड उड़ गए। सड़कें नदियां बन गईं। अस्पताल के बाहर सड़क पर पानी भर गया, जो मेडिकल शॉप में घुस गया। जयपुर से उदयपुर आ रही इंडिगा की फ्लाइट को खराब मौसम के कारण अहमदाबाद डायवर्ट कर दिया गया।

जोधपुर शहर में शाम करीब 5 बजे आंधी के साथ बारिश आई। इस दौरान अंधेरा छाने के कारण गाड़ियों की हेडलाइट जलाकर चलना पड़ा। पीपाड़ शहर में बारिश के बाद सड़क पर पानी बहने लगा। पाली जिले के देसूरी में आंधी के साथ बारिश हुई। कस्बे के घाणेराव में सड़क पर पानी नदी की तरह बहने लगा।

इससे पहले रविवार को जैसलमेर के बॉर्डर एरिया में दोपहर बाद बवंडर आने से कई इलाके धूल-मिट्टी से घिर गए थे। बवंडर के बाद बारिश और ओले गिरने से तापमान में गिरावट हुई थी।

मौसम विभाग ने बताया कि सोमवार को एक परिसंचरण तंत्र उत्तर -पूर्वी राजस्थान व एक अन्य दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान व आसपास के क्षेत्र के ऊपर बना रहा। इसके असर से बीकानेर, अजमेर, जयपुर, भरतपुर, जोधपुर, कोटा, भरतपुर संभाग के कुछ भागों में माध्यम से तेज मेघ गर्जन आंधी (40-50 किमी प्रतिघंटा) के साथ हल्की से मध्यम बारिश व कहीं-कहीं ओलावृष्टि दर्ज की गई। मेघगर्जन के साथ आंधी-बारिश की गतिविधियां राज्य के कुछ भागों में आगामी एक सप्ताह जारी रहने की प्रबल संभावना है।

देशभर में हीटवेव खत्म, मानसून 2-3 दिन में केरलम पहुंचेगा

मौसम विभाग ने कहा है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून अगले 2 से 3 दिनों में केरलम पहुंच सकता है। आमतौर पर मानसून 1 जून के आसपास केरलम पहुंचता है, लेकिन इस बार इसमें थोड़ी देरी हुई है। IMD के मुताबिक अरब सागर, लक्षद्वीप, केरलम और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में मानसून के आगे बढ़ने के लिए मौसम अनुकूल है। बंगाल की खाड़ी के कई इलाकों में भी मानसून आगे बढ़ सकता है। मौसम विभाग ने पहले अनुमान लगाया था कि मानसून 26 मई को केरलम पहुंचेगा, लेकिन बाद में इसकी रफ्तार धीमी पड़ गई। अब इसके जून के पहले सप्ताह में पहुंचने की संभावना है। देशभर में फिलहाल हीटवेव का असर खत्म हो गया है। सोमवार को मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड और राजस्थान के कई इलाकों में बारिश हुई। राजस्थान के अजमेर, नागौर और चित्तौड़गढ़ में सोमवार को ओलावृष्टि हुई।

जेईई एडवांस का परिणाम घोषित शुभम टॉपर, कबीर दूसरे स्थान पर

टॉप-10 के 6 स्टूडेंट ने राजस्थान में कोचिंग की

कटऑफ में भारी बढ़ोतरी, पिछले साल से 18 अंक बढ़े न्यूनतम मार्क्स

कोटा

जॉइंट एंट्रेंस एग्जाम यानी जेईई-एडवांस का रिजल्ट रविवार देर रात जारी हुआ। इसमें बिहार के शुभम कुमार टॉपर रहे। दूसरे नंबर पर दिल्ली के कबीर छिल्लर और तीसरे नंबर पर झुंझनूं (राजस्थान) के जतिन चाहर रहे। टॉप-10 में रहे 6 स्टूडेंट्स ने राजस्थान के कोचिंग संस्थानों में पढ़ाई की।

एजुकेशन एक्सपर्ट के मुताबिक परीक्षा में बैठने वाले कैंडिडेट्स में 31.65% पास हुए। JEE एडवांस में 1 लाख 79 हजार 694 स्टूडेंट्स शामिल हुए थे। 56 हजार 880 कैंडिडेट्स ने परीक्षा पास की। इस साल परीक्षा का कटऑफ बढ़कर 92 हो गया है। 2025 की तुलना में कटऑफ में 18 अंक का इजाफा हुआ। वहीं, सब्जेक्ट वाइज कटऑफ में जनरल कैटेगरी में 8 अंक बढ़े हैं।

सीकर में पढ़े जतिन कुमार चाहर की ऑल इंडिया थर्ड रैंक आई है। जतिन को 319 नंबर मिले। वे मूल रूप से झुंझुनूं जिले के गोठ गांव के हैं।

जतिन ने कहा- अपना पूरा फोकस कॉन्सेप्ट क्लियर करने पर रखा। वहीं, कोटा के ही रहने वाले अर्णव गौतम ने 7वीं रैंक हासिल की। एग्जाम में 8वीं रैंक वाले कनिष्क जैन और 10वीं रैक वाले दर्श सिक्का ने भी कोटा में पढ़ाई की। गर्ल्स कैटेगरी की टॉपर रही आरोही भी कोटा में ही पढ़ी हैं। उनकी 77वीं रैंक है।

जेईई एडवांस्ड 2026 का रिजल्ट जारी होने के साथ ही कटऑफ भी घोषित कर दी गई है। यह कटऑफ तय करती है कि कौन-से उम्मीदवार रैंक लिस्ट में शामिल होंगे और JoSAA काउंसलिंग के माध्यम से आईआईटी में प्रवेश प्रक्रिया में भाग लेने के पात्र होंगे। उम्मीदवारों को केवल कुल न्यूनतम अंक ही नहीं, बल्कि फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथ्स प्रत्येक विषय में निर्धारित न्यूनतम अंक भी हासिल करने होंगे।

इस साल जेईई एडवांस्ड 2026 के नतीजों ने सभी को हैरान कर दिया है। परीक्षा में इस बार कड़ा मुकाबला देखने को मिला, जिसके कारण कटऑफ मार्क्स में करीब 18 अंकों की बड़ी बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

जेईई एडवांस्ड 2026 में रैंक लिस्ट में शामिल होने के लिए उम्मीदवारों को कुल अंकों के साथ-साथ प्रत्येक विषय में भी न्यूनतम अंक हासिल करने होंगे।

राजस्थान में कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमत 42 रुपए प्रति सिलेंडर बढ़ी

जयपुर

अमेरिका-ईरान युद्ध के बाद से लगातार लिक्विड पेट्रोलियम गैस की कीमतों में इजाफा हो रहा है। पेट्रोलियम कंपनियों ने रविवार रात एलपीजी गैस की कीमतों का रिव्यू करने के बाद एक बार फिर कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी की है। कंपनियों ने 19 किलोग्राम वाले कॉमर्शियल सिलेंडर पर 42 रुपए की बढ़ोतरी की है। हालांकि घरेलु और दूसरे अन्य कैटेगिरी के सिलेंडर के दाम स्थिर रखे है। राजस्थान एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष दीपक गहलोत ने बताया- कंपनियों ने कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम बढ़ाए हैं, जिसकी नई रेट लिस्ट जारी की है। नई रेट लिस्ट के मुताबिक, राजस्थान में आज से 19 किलोग्राम वाले कॉमर्शियल गैस सिलेंडर पर 3099 रुपए के बजाए अब 3141 रुपए में मिलेगा। घरेलू उपयोग के सिलेंडर की कीमतों में कंपनियों ने कोई बढ़ोतरी नहीं की है। इनकी कीमतों बाजार में आज भी घरेलू उपयोग का 14.2 किलोग्राम वाला सिलेंडर 916.50 रुपए में ही मिलेगा।

इस साल में कॉमर्शियल सिलेंडर पर कंपनियों ने अब तक 6 बार से ज्यादा बार कीमतों में बढ़ोतरी की है।

पीएम से मिले सीएम भजनलाल, कामकाज का दिया ब्यौरा

राज्यसभा चुनाव और मंत्रिमण्डल फेरबदल पर भी चर्चा

जयपुर

सीएम भजनलाल शर्मा ने सोमवार को दिल्ली में पीएम नरेंद्र मोदी से मिले। लोक कल्याण मार्ग स्थित पीएम आवास में दोनों नेताओं की मुलाकात हुई। इस समय सीएम की पीएम से मुलाकात के मायने भी निकाले जा रहे हैं।

दरअसल, आज ही करीब ढाई साल बाद केन्द्रीय नेतृत्व ने राजस्थान में संगठन महामंत्री की नियुक्ति की है। वहीं, एक-दो दिन में राज्यसभा चुनावों की सीटों पर प्रत्याशी की घोषणा भी होनी है। इसके साथ लंबे समय से प्रदेश में मंत्रिमण्डल फेरबदल भी लंबित चल रहा है।

ऐसे में माना जा रहा है कि सीएम की सरकार के कामकाज के ब्यौरे के साथ पीएम के साथ राज्यसभा चुनाव और मंत्रिमंडल फेरबदल को लेकर भी चर्चा हुई है।

सीएम भजनलाल की पीएम मोदी से तीन महीने में यह तीसरी मुलाकात हैं। इससे पहले सीएम ने 25 मार्च को संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। वहीं, उससे करीब एक माह पहले 28 फरवरी को पीएम मोदी अजमेर दौरे पर आए थे। उस समय भी सीएम की पीएम से मुलाकात हुई थी। सीएम भजनलाल शर्मा की सोमवार को पीएम मोदी से मुलाकात इस मायने में भी खास हो जाती है कि आने वाले एक-दो दिनों में पार्टी राज्यसभा चुनाव के लिए प्रत्याशियों की घोषणा कर सकती है। ऐसे में संभावित उम्मीदवारों के नामों को लेकर भी पीएम मोदी ने सीएम भजनलाल शर्मा से फीडबैक लिया होगा।

प्रदेश में राज्यसभा की तीन सीटों पर चुनाव है। संख्या के गणित के हिसाब से पार्टी दो सीटों पर जीत सकती है। एक सीट पर केन्द्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू को फिर से रिपीट किया जा सकता है।

एनकाउंटर में मारे गए असद के घर पर बुलडोजर चलेगा, नोटिस चिपकाया गाजियाबाद

गाजियाबाद

गाजियाबाद में 11वीं के छात्र सूर्या चौहान की हत्या के आरोपी असद के घर पर बुलडोजर चलेगा। सोमवार को प्रशासन की टीम असद के घर पहुंची। घर के गेट पर ताला लगा था। इसके बाद एसडीएम ने अवैध कब्जा करके घर बनाने का नोटिस दरवाजे पर चिपका दिया।

नोटिस में कहा गया है कि जिस जमीन पर मकान बना है, उस पर अवैध कब्जा किया गया है। असद के पिता को 15 दिनों के भीतर एसडीएम कार्यालय में अपना जवाब देना होगा। साथ ही अवैध कब्जा खुद हटाने के लिए भी कहा गया है।

इधर, असद का शव रविवार रात पोस्टमॉर्टम के बाद सुपुर्द-ए-खाक कर दिया। पुलिस ने बताया कि असद के चाचा की मौजूदगी में शव को दफनाया गया। हालांकि, पुलिस ने सिक्योरिटी कारणों से जगह और समय का खुलासा नहीं किया।

दरअसल, 28 मई बकरीद के दिन असद ने सूर्या की चाकू मारकर हत्या कर दी थी। रविवार तड़के पुलिस ने असद को एनकाउंटर में मार गिराया था। पुलिस ने मामले में साजिश रचने के आरोप में असद के पिता नवाब समेत 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। हत्याकांड का पांचवां आरोपी अब भी फरार है। हत्या के पांचवें दिन भी खोड़ा में पुलिस फोर्स तैनात है।

जर्मन शेफर्ड डॉग ने 4 साल की बच्ची को नोंचा

सिर पर हमला कर लहूलुहान कर डाला

जयपुर

जयपुर में जर्मन शेफर्ड डॉग ने एक 4 साल की बच्ची पर हमला कर दिया। सिर नोंचकर लहूलुहान कर डाला। घायल बच्ची का एसएमएस हॉस्पिटल में इलाज करवाया गया। वहीं, पीड़ित बच्ची के परिवार रविवार को पड़ोसी के खिलाफ पत्रकार कॉलोनी थाने में मामला दर्ज करवाया है। हेड कॉन्स्टेबल रामनिवास ने बताया- पत्रकार कॉलोनी में राधाकुंज धोलाई स्थित रेजीडेंसी में संतोष कुमार माथा परिवार सहित रहते हैं। उनकी 4 साल की बेटी आद्रिका खण्डेलवाल रेजीडेंसी में रहने वाले बच्चों के साथ अक्सर खेलने जाती रहती है। 24 मई की रात करीब 8:30 बजे मासूम दो फ्लैट छोड़कर रहने वाले बच्चों को बुलाने उनके घर गई थी। बच्ची ने फ्लैट का गेट बंद मिलने पर बेल बजाई। गेट खोलते ही अंदर से भागकर आए पालतु जर्मन शेफर्ड डॉग ने बच्ची पर हमला कर दिया।

डॉग ने सीधे बच्ची के सिर पर अटैक कर नोंच डाला। बच्ची के लहूलुहान होकर जमीन पर गिरने पर पड़ोसियों न डॉग को फ्लैट के अंदर ले लिया। फिर गेट बंद कर लिया। तड़पती बच्ची को बचाने की जगह पड़ोसी गेट बंद कर बैठ गए। बच्ची के दर्द से चीख-पुकार करने पर पास रहने वाले दूसरे लोगों ने संभाला। वह तुरंत गंभीर हालत में बच्ची को सोसायटी कॉरिडोर में लेकर आए।

डॉग अटैक का पता चलने पर परिजनों ने तुरंत बच्ची का SMS हॉस्पिटल की इमरजेंसी में इलाज करवाया। पत्रकार कॉलोनी थाने में पीड़ित बच्ची के पिता ने रविवार को मामला दर्ज करवाया।

सीबीएसई पोर्टल नहीं हुआ लाइव, जल्द होगी आधिकारिक घोषणा

नई दिल्ली। सीबीएसई ने अंकों के सत्यापन तथा उत्तर पुस्तिकाओं के पुनर्मूल्यांकन के लिए सोमवार को लाइव होने वाला ऑनलाइन पोर्टल के लाइव करने की तारीख अब आगे बढ़ा दी। सीबीएसई ने एक्स अकाउंट से बताया कक्षा 10वीं व 12वीं के छात्रों के लिए आधिकारिक ऑनलाइन पोर्टल को जल्द लाइव कर दिया जाएगा, जिसकी सूचना सीबीएसई की मुख्य वेबसाइट पर शीघ्र ही जारी की जाएगी। इससे पहले, 26 मई को लाइव होने वाला इस ऑनलाइन पोर्टल की तकनीकी खामियों के कारण अवधि बढ़ाकर 1 जून कर

प्रधानमंत्री मोदी और म्यांमार के राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग के बीच द्विपक्षीय वार्ता

आर्थिक सहयोग, सुरक्षा, संपर्क सुविधाओं के विस्तार पर सहमति

नई दिल्ली

भारत और म्यांमार ने आर्थिक व सुरक्षा सहयोग व संपर्क सुविधाओं के विस्तार पर सहमति व्यक्त की है। आधारभूत परियोजनाओं को लागू करने, व्यापार एवं द्विपक्षीय सहयोग में बढ़ोतरी का भी फैसला किया गया है। इसके साथ ही पड़ोसी देश की ओर से आश्वासन दिया गया है कि भारत के सुरक्षा हितों के खिलाफ उसकी भूमि का उपयोग नहीं होने दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व म्यांमार के राष्ट्रपति यू मिन आंग ह्लाइंग के बीच सोमवार को दिल्ली के हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय वार्ता हुई। चर्चा में व्यापार, निवेश, रक्षा, सुरक्षा, सीमा प्रबंधन, विकास सहयोग, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और क्षेत्रीय स्थिति पर विचार-विमर्श किया गया। दोनों देशों ने स्वास्थ्य, शिक्षा, ऊर्जा, एआई और अंतरिक्ष क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। राष्ट्रपति ह्लाइंग 30 मई से 3 जून तक भारत की यात्रा पर हैं। अप्रैल 2026 में पद संभालने के बाद यह उनकी पहली विदेश यात्रा है। मूल रूप से उन्हें 'इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस' शिखर सम्मेलन में भाग लेना था, लेकिन सम्मेलन स्थगित होने के बाद इस अवसर का उपयोग द्विपक्षीय वार्ता के लिए किया। म्यांमार के राष्ट्रपति के साथ एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी भारत आया। इसमें पांच कैबिनेट मंत्री, तीन उपमंत्री और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने मंत्रालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि दोनों पक्षों ने लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने के लिए कनेक्टिविटी को महत्वपूर्ण बताया।

पश्चिम बंगाल में कैबिनेट विस्तार, 35 मंत्रियों ने शपथ ली

अर्जुन सिंह, तपस रॉय मंत्री बने; शुभेंदु मंत्रिमंडल में अब 41 मिनिस्टर

कोलकाता

पश्चिम बंगाल में सोमवार को सरकार का पहला मंत्रिमंडल विस्तार हुआ। लोकभवन में हुए कार्यक्रम में राज्यपाल आरएन रवि ने 35 नए मंत्रियों को शपथ दिलाई। सीएम शुभेंदु अधिकारी भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। 13 नेताओं को कैबिनेट मंत्री, 3 को राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और 19 को राज्य मंत्री बनाया गया। इस विस्तार के साथ बंगाल में मंत्रिपरिषद की मंत्रियों की संख्या 41 हो गई है।

इससे पहले 9 मई को शुभेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। उनके साथ दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, निशीथ प्रमाणिक, अशोक कीर्तनिया और क्षुदीराम टुडू ने भी मंत्री पद की शपथ ली थी।

संविधान के 91वें संशोधन के अनुसार, राज्य मंत्रिमंडल में विधायकों की संख्या विधानसभा की कुल संख्या के 15% तक सीमित है। पश्चिम बंगाल में 294 विधायक हैं, इसलिए मंत्रिमंडल में अधिकतम 44 मंत्री हो सकते हैं।

सोमवार के शपथ ग्रहण के बाद कैबिनेट में 41 मंत्री हो गए हैं। तय सीमा के आधार पर 3 मंत्री और बनाए जा सकते हैं। रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि फिलहाल यह 3 पद खाली ही रहेंगे।

इससे पहले 11 मई को शुभेंदु ने अपने मंत्रियों को विभागों का बंटवारा कियाा था। इसमें निशिथ प्रमाणिक को उत्तर बंगाल विकास, खेल और युवा कल्याण मंत्रालय सौंपा गया।

दिलीप घोष को ग्रामीण विकास, पशु संसाधन विकास, कृषि विपणन की जिम्मेदारी सौंपी गई। अग्निमित्रा पॉल को महिला एवं बाल विकास, समाज कल्याण, नगर निकाय विभाग दिए गए।

अशोक कीर्तनिया को खाद्य एवं आपूर्ति, सहकारिता विभाग दिया गया। क्षुदीराम टूडू को जनजातीय विकास, पिछड़ा वर्ग कल्याण, अल्पसंख्यक मामले और मदरसा शिक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई। सीएम शुभेंदु अधिकारी ने गृह मंत्रालय समेत अन्य सभी मंत्रालय अपने पास रखे हैं।

तीन श्रेणियों में बांटे गए मंत्री पद

राजभवन में आयोजित हुए इस शपथ ग्रहण समारोह में मंत्रियों को उनके अनुभव और क्षेत्रीय समीकरणों के आधार पर तीन अलग-अलग श्रेणियों में जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इस नए विस्तार में कुल 13 विधायकों को कैबिनेट मंत्री के रूप में शामिल किया गया है। इसके अलावा 3 विधायकों ने राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) यानी MoS के रूप में शपथ ली है, जबकि 19 अन्य विधायकों को राज्य मंत्री का दायित्व सौंपा गया है।

ईरान की रडार-ड्रोन कंट्रोल साइट्स पर हमला, जवाबी हमले में एयरबेस को निशाना बनाया

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी

अमेरिका ने कहा कि हमने ईरान के गोरुक और केश्म द्वीप पर रडार और ड्रोन कंट्रोल साइट्स को निशाना बनाया। यह हमला आत्मरक्षा में किया गया। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बताया है कि यह कार्रवाई ईरान की आक्रामक गतिविधियों के जवाब में की गई। अमेरिका ने आरोप लगाया कि ईरान ने रविवार को अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में एक अमेरिकी MQ1 ड्रोन को गिराया था।

CENTCOM के मुताबिक, अमेरिकी सेना ने ईरान के एयर डिफेंस सिस्टम, एक ग्राउंड कंट्रोल स्टेशन और दो ड्रोन को नष्ट किया। अमेरिका का दावा है कि ये ड्रोन क्षेत्रीय समुद्री रास्तों से गुजर रहे जहाजों के लिए सीधा खतरा बन रहे थे।

दूसरी तरफ, ईरान की इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया कि हमने उस एयरबेस को निशाना बनाया, जिसका इस्तेमाल सीरिक द्वीप के पास अमेरिकी ऑपरेशन में हुआ था। IRGC का कहना है कि ये हमला सीरिक द्वीप पर टेलीकॉम टावर पर हुए अमेरिकी हमले के जवाब में किया गया। हालांकि, ईरान ने उस एयरबेस की लोकेशन नहीं बताई।

वहीं, 'ईरान इंटरनेशनल' की रिपोर्ट में दावा किया गया कि ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने इस्तीफा दे दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक पजशकियान ने आरोप लगाया कि देश की सत्ता पर अब पूरी तरह IRGC के कमांडरों का कंट्रोल में है।

पर्यटकों से भरी कार चंबा की खाई में गिरी, 8 की मौत

-होटल प्रबंधन ने पुलिस को दी थी सूचना

चंबा (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले से एक बेहद दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है। यहाँ चुराह उपमंडल में बैरागढ़-साच पास-किलाड़ मार्ग पर पर्यटकों से भरी एक एर्टिगा कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। इस भीषण सड़क हादसे में छत्तीसगढ़ के दो परिवारों के सात सदस्यों समेत कुल आठ लोगों की मौत हो गई। यह दर्दनाक घटना 29 मई की आधी रात को घटित हुई। हादसे के बाद से ही कार में सवार सभी लोग लापता थे और उनके बचने की उम्मीद न के बराबर थी। पुलिस और स्थानीय प्रशासन द्वारा मौके पर सघन खोज से पता चला की 8 की मौत हुई है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, छत्तीसगढ़ से ताल्लुक रखने वाले दो परिवारों के सात लोग हिमाचल प्रदेश में छुट्टियां बिताने और घूमने के लिए आए थे। ये सभी पर्यटक चंबा जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल डलहौजी के एक होटल में ठहरे हुए थे। 29 मई की सुबह वे सभी गाड़ी किराये पर लेकर साच पास की तरफ पास सीन (घूमने) के लिए निकले थे। तय कार्यक्रम के अनुसार पर्यटकों को उसी दिन शाम तक वापस डलहौजी के होटल में लौटना था, जहाँ उन्होंने एडवांस बुकिंग करा रखी थी। जब देर रात तक भी पर्यटक वापस होटल नहीं लौटे और होटल प्रबंधन का उनसे किसी भी माध्यम से संपर्क नहीं हो सका, तो उन्होंने अनहोनी की आशंका के चलते तुरंत स्थानीय पुलिस को मामले की सूचना दी। पुलिस ने होटल प्रबंधन की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए मोबाइल लोकेशन और रास्तों की कड़ियों को जोड़ते हुए तलाश शुरू की, जिसके बाद इस भीषण हादसे का पता चला।

गुरुग्राम की ओम साईराम फैक्ट्री में भीषण आग, करोड़ों का माल स्वाहा

गुरुगांव (एजेंसी)। हरियाणा के गुरुग्राम में मुशदपुर-खुरमपुर गांव के पास स्थित ओम साईराम फैक्ट्री में शनिवार-रविवार की दरमियानी रात करीब 1-40 बजे भीषण आग लग गई। आग इतनी भयावह थी कि उसने देखते ही देखते पूरी फैक्ट्री को अपनी चपेट में ले लिया। आसमान में उठती आग की गगनचुंबी लपटों और धुएं के गुबार से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, सिविल डिफेंस और फायर ब्रिगेड की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। राहत की बात यह है कि रात का समय होने के कारण फैक्ट्री में श्रमिक मौजूद नहीं थे, जिससे एक बड़ा जानी नुकसान टल गया। फायर ब्रिगेड कंट्रोल रूम को रात 1-40 बजे इस हादसे की सूचना मिली। शुरुआत में पटौदी फायर स्टेशन की टीम मौके पर पहुँची, लेकिन हालात बेकाबू देखकर तुरंत अन्य फायर स्टेशनों से अतिरिक्त मदद मांगी गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए मानेसर, भीम नगर, सेक्टर-37 और सेक्टर-29 सहित कुल छह फायर स्टेशनों से 8 फायर टेंडरों (गाड़ियों) को काम पर लगाया गया। फायर कर्मियों ने फैक्ट्री को चारों तरफ से घेरकर घंटों तक पानी की बौछारें कीं, लेकिन रविवार सुबह तक भी आग पर पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका। आग लगने की असली वजह अभी साफ नहीं है, लेकिन शुरुआती तौर पर इसे शॉर्ट सर्किट का नतीजा माना जा रहा है। इस भीषण अग्निकांड में फैक्ट्री की इमारत के साथ-साथ भीतर रखा कीमती कच्चा माल, तैयार उत्पाद और मशीनें जलकर पूरी तरह खाक हो गई हैं। आशंका है कि इस हादसे में करोड़ों रुपये का भारी वित्तीय नुकसान हुआ है। अधिकारियों का कहना है कि आग पूरी तरह बुझने और कूलिंग का काम संपन्न होने के बाद फैक्ट्री के भीतर सर्च अभियान चलाया जाएगा। स्थानीय प्रशासन और पुलिस विभाग मामले की गहनता से जांच कर रहे हैं और फैक्ट्री मालिक से सुरक्षा मानकों व एनओसी से जुड़े दस्तावेज भी तलब किए गए हैं।

मेघालय में 2.8 तीव्रता का हल्का भूकंप, जानमाल सुरक्षित

ईस्ट गैरो हिल्स (एजेंसी)। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने रविवार सुबह मेघालय के पश्चिमी खासी हिल्स जिले में 2.8 तीव्रता का हल्का भूकंप दर्ज किया। सुबह 6-50 बजे आए इन झटकों से किसी तरह के जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। भूकंप का केंद्र पश्चिम खासी हिल्स में 10 किलोमीटर की गहराई में था, जो चेरापूंजी से लगभग 77 किलोमीटर डब्ल्यूएनडब्ल्यू दिशा में स्थित था। चूंकि इसकी तीव्रता कम और गहराई उथली थी, इसलिए इसका प्रभाव सीमित रहा और स्थानीय लोगों ने मामूली कंपन ही महसूस किया। किसी भी क्षति या हानि की कोई रिपोर्ट नहीं है। इससे कुछ घंटे पहले एनसीएस ने ताजिकिस्तान में 5.2 तीव्रता का मध्यम भूकंप भी दर्ज किया था, जिसका केंद्र 120 किलोमीटर की गहराई में था। भारतीय उपमहाद्वीप, खासकर उत्तर-पूर्वी भारत, सक्रिय फॉल्ट लाइनों पर होने के कारण भूकंपीय दृष्टि से संवेदनशील है। यह क्षेत्र भारतीय और यूरेशियन प्लेटों की टेक्टॉनिक गतिविधियों के कारण अक्सर कंपन महसूस करता है। मेघालय में 1897 में आया 8.1 तीव्रता का विनाशकारी भूकंप एक ऐतिहासिक घटना थी, जिसमें हजारों लोग प्रभावित हुए थे।

दिल्ली में तीन मंजिला इमारत ढही, एक की मौत, आठ घायल

- दक्षिण दिल्ली के साकेत इलाके का मामला, इमारत में चल रहे थे कोचिंग संस्थान और कैफे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण दिल्ली के साकेत इलाके में शनिवार देर शाम एक बड़ा हादसा सामने आया, जहां सैदुलजाब के वेस्टर्न मार्ग पर एक तीन मंजिला व्यावसायिक इमारत अचानक ताश के पत्तों की तरह ढह गई। इस दर्दनाक घटना में 26 वर्षीय एक युवक की जान चली गई, जबकि आठ अन्य लोगों को मलबे से सुरक्षित बाहर निकाला गया है। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अनुसार, यह हादसा शनिवार देर शाम को हुआ, जब एक व्यस्त व्यावसायिक भवन ढह गया। इस इमारत में एक कोचिंग संस्थान, कैफे और कई कार्यालय संचालित हो रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि हादसे के समय इसकी ऊपरी मंजिल पर निर्माण कार्य जारी था, जिससे इमारत की संरचनात्मक अखंडता प्रभावित हुई हो सकती है। इमारत पूरी तरह मलबे में तब्दील हो गई और उसका मलबा पास में स्थित टिन शेड वाली कैंटीन पर जा गिरा, जहां मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र अक्सर आते-जाते थे। मृतक की पहचान 26 वर्षीय रवि के रूप में हुई है। घायलों में गुरुग्राम निवासी तरुण कुमार (26), बिहार के मोतिहारी निवासी साइका खान (27) और सैदुलजाब निवासी नीलम यादव (25) सहित आठ अन्य लोग शामिल हैं। दिल्ली अग्निशमन सेवा, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण सहित विभिन्न एजेंसियों तथा स्थानीय निवासियों ने मिलकर व्यापक बचाव अभियान चलाया और सभी घायलों को मलबे से सुरक्षित बाहर निकाला। घटना की विस्तृत जांच जारी है।

सीबीएसई छात्रों से मिले राहुल गांधी, परीक्षा परिणामों में गड़बड़ियों को लेकर उठाए सवाल

-बच्चों से मुलाकात का वीडियो किया साझा और बोले- सवाल पूछने वाले छात्रों को जवाब की जगह अपमान मिला

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की परीक्षा मूल्यांकन प्रक्रिया और परिणामों में गड़बड़ियों को लेकर छात्रों से बातचीत की। उन्होंने इस बातचीत का एक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा करते हुए दावा किया कि अपनी समस्याओं को लेकर सवाल उठाने वाले छात्रों को समाधान के बजाय आलोचना और अपमान का सामना करना पड़ा। उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल किया गया।

साझा किए गए वीडियो में राहुल गांधी कुछ छात्रों से परीक्षा परिणामों और उत्तरपुस्तिका मूल्यांकन से जुड़ी शिकायतों पर चर्चा करते दिखाई दे रहे हैं। इनमें वेदांत नामक छात्र भी शामिल है, जिसने पहले अपनी उत्तरपुस्तिका के मूल्यांकन में कथित त्रुटि का मुद्दा उठाया था। छात्र का दावा है कि जब उसने अपनी फिजिक्स की उत्तरपुस्तिका की प्रति प्राप्त की, तो उसमें उसकी लिखावट नहीं थी और किसी अन्य छात्र की उत्तरपुस्तिका उससे संबद्ध दिखाई गई थी।

वीडियो में वेदांत ने बताया कि परीक्षा अच्छी होने के बावजूद अपेक्षा से कम अंक मिलने पर उसने उत्तरपुस्तिका की कॉपी मंगाई। दस्तावेज देखने पर उसे अपनी लिखावट नहीं मिली, जिसके बाद उसने इस मामले को सार्वजनिक किया। छात्र ने यह भी कहा कि इस मुद्दे को उठाने के बाद उसे सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा और उसे आपत्तिजनक टिप्पणियों का निशाना बनाया गया।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वीडियो साझा करते हुए व्यंग्यात्मक अंदाज में लिखा कि उन्होंने अपने 'देशद्रोही' और 'सोरोस एजेंट' कहे जाने वाले साथियों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि ये छात्र प्रतिभाशाली और साहसी युवा हैं, जिन्होंने केवल अपनी समस्याओं को लेकर सवाल पूछे, लेकिन उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिला। कांग्रेस नेता ने कहा कि छात्रों को बेहतर और सुरक्षित भविष्य मिलना चाहिए तथा उनकी समस्याओं का समाधान होना चाहिए।

बातचीत के दौरान कुछ छात्रों ने आरोप लगाया कि प्रश्न उठाने पर उन्हें 'एंटी नेशनल' या 'डीप स्टेट एजेंट' जैसे शब्दों से संबोधित किया गया। इस पर राहुल गांधी ने कहा कि किसी भी समस्या का समाधान तभी संभव है जब उसे स्वीकार किया जाए। उनका कहना था कि समस्याओं को स्वीकार करने के बजाय छात्रों को ही दोषी ठहराना उचित नहीं है।

हालांकि, राहुल गांधी ने अभी केवल बातचीत का एक अंश ही साझा किया है और पूरी चर्चा सार्वजनिक नहीं की है। इस बीच परीक्षा मूल्यांकन प्रक्रिया और परिणामों की पारदर्शिता को लेकर बहस एक बार फिर तेज हो गई है।

दक्षिण भारत में मानसून की दस्तक, 3-4 जून तक पहुंच सकता है केरल-तमिलनाडु

- व्यापक बारिश के साथ तापमान में कमी की संभावना, कई जिलों में भारी वर्षा का अलर्ट जारी

चेन्नई (एजेंसी)। । क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) के ताजा अनुमान के अनुसार दक्षिण-पश्चिम मानसून 3 या 4 जून तक केरल, तमिलनाडु और आसपास के इलाकों में दस्तक दे सकता है। इसके आगमन से दक्षिणी राज्यों में व्यापक बारिश होने और धीरे-धीरे तापमान में कमी आने की संभावना है, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी। मौसम विभाग ने बताया कि मानसून पहले ही 30 मई तक अरब सागर, लक्षद्वीप, कोमोरिन क्षेत्र और बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों में आगे बढ़ चुका है। अगले तीन से चार दिनों में इसके और प्रगति करने के लिए मौसमी परिस्थितियां अनुकूल बनी हुई हैं। हालांकि, 1 जून तक तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल के कुछ हिस्सों में दिन का तापमान सामान्य से 2-3 डिग्री सेल्सियस अधिक रह सकता है। शनिवार को चेन्नई में मौसम अपेक्षाकृत सुहावना रहा और तापमान सामान्य से कम दर्ज किया गया। विभाग ने अनुमान जताया है कि 2 जून से मानसूनी गतिविधियों के बढ़ने के साथ तापमान सामान्य स्तर पर लौटने लगेगा। मौसम विभाग ने रविवार के लिए नीलगिरि, कोयंबटूर, तिरुप्पुर, डिंडीगुल, थेनी, करूर, तिरुचिरापल्ली, नमक्कल, इरोड, सलेम समेत तमिलनाडु के कई पश्चिमी और दक्षिणी जिलों तथा पुडुचेरी में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इसके अलावा कई क्षेत्रों में 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ गरज-चमक की भी संभावना है। 1 और 2 जून को भी भारी बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है, खासकर थेनी और तेनकासी जैसे जिलों में। शनिवार को तिरुनेलवेली जिले के ऊथू और नालुमुक्कू, इरोड के अम्मापेट्टई और कोयंबटूर के थोलमपालायम में सबसे अधिक 7 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई, जो मानसून पूर्व अच्छी गतिविधि का संकेत है।

सम्राट सरकार को रोहिणी की चुनौती, अगर हिम्मत है, तब जबरन बंगला खाली करवाए

पटना, (एजेंसी)। पटना में पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के 10 सर्कुलर आवास को लेकर विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सरकार द्वारा 15 दिनों में बंगला खाली करने के आदेश के बाद राबड़ी और उनकी बेटी रोहिणी आचार्य ने बिहार सरकार को सीधी चुनौती दी है। रोहिणी आचार्य ने अपनी कड़ी प्रतिक्रिया देकर कहा है कि अगर हिम्मत है, तब जबरन बंगला खाली करवाए। उन्होंने इस पूरी प्रक्रिया को जनहित के मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए राजनीतिक प्रतिशोध, सत्ता के अहंकार बताया।

खुद राबड़ी देवी ने साफ कहा था कि वह घर खाली नहीं करेंगी, और सरकार चाहे, तब उन्हें बलपूर्वक बेदखल कर सकती है। गौरतलब है कि वे एक दशक से अधिक समय से इस आवास में रह रही हैं, जिसे पूर्व मुख्यमंत्री होने के नाते पिछली नीतीश कुमार सरकार ने उन्हें आवंटित किया था।

यह सरकारी बंगला वर्तमान में दुग्ध एवं मत्स्य पालन मंत्री नंद किशोर राम को आवंटित किया गया है। भवन निर्माण विभाग की मंत्री और जद (यू) की वरिष्ठ नेता लेशी सिंह ने विवाद पर कहा कि बंगलों का आवंटन सरकार का विशेषाधिकार है और कोई भी व्यक्ति किसी बंगले पर अपना अधिकार नहीं जता सकता। उन्होंने राबड़ी देवी को विधानपरिषद में नेता प्रतिपक्ष के तौर पर आवंटित 39 आवास में स्थानांतरित होने की सलाह दी। वहीं, पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने भी मुद्दे पर हस्तक्षेप करते हुए मुख्यमंत्री से मां समान राबड़ी देवी का अपमान न करने की अपील की। उन्होंने मुख्यमंत्री चौधरी को अहंकार छोड़कर बदले की राजनीति से बचने और आवंटित मंत्री को कोई दूसरा आवास देने का सुझाव दिया। इस तरह, राबड़ी आवास का यह विवाद अब एक बड़े राजनीतिक टकराव में बदलता दिख रहा है।

महंत शिष्यों का आध्यात्मिक प्रमुख, मठ प्रशासन सरकार अलग नहीं कर सकती: सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने अपने महत्वपूर्ण निर्णय में स्पष्ट किया है कि किसी भी आश्रम या मठ का महंत अपने शिष्यों का आध्यात्मिक प्रमुख होता है, जिसका पद और संपत्ति से जुड़े प्रशासनिक कार्य एक-दूसरे से अविभाज्य हैं। जस्टिस जे के माहेश्वरी और जस्टिस एस एस चंदूरकर की पीठ ने जोर दिया कि मठाधीश के धार्मिक और सांसारिक कार्यों को सरकार अलग नहीं कर सकती, क्योंकि महंत पद में आध्यात्मिक दायित्व और संपत्ति का प्रबंधन दोनों ही गहराई से जुड़े हुए हैं।

सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने अपने फैसले में कहा कि धर्मनिरपेक्ष कार्यों को स्थायी रूप से सरकारी अधिकारियों को सौंपना संविधान के अनुच्छेद-26 और महंत पद की मूल अवधारणा का उल्लंघन है। मठाधिपति केवल एक प्रशासनिक अधिकारी नहीं होता, बल्कि वह अपने शिष्यों का आध्यात्मिक प्रमुख और मार्गदर्शक होता है। यह टिप्पणी आंध्र प्रदेश के तिरुपति में स्थित ऐतिहासिक 'श्री स्वामी हाथीरामजी मठ' के मठाधिपति अर्जुन दास को पद से हटाने और मठ के प्रशासन के लिए सरकारी प्रशासक की नियुक्ति के आंध्र प्रदेश सरकार के फैसले को रद्द करते हुए आई।

शीर्ष अदालत ने उडुपी शहर में मौजूद शिरूर मठ मामले में दिए अपने ऐतिहासिक निर्णय का हवाला दिया। कोर्ट ने कि महंत पद की अवधारणा में पद और संपत्ति, कर्तव्यों और व्यक्तिगत हितों दोनों के तत्व आपस में इस तरह से घुले-मिले होते हैं कि इनमें से किसी को भी दूसरे से अलग नहीं कर सकते है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि महंत केवल मठ की सांसारिक संपत्तियों का प्रबंधक मात्र नहीं होता, बल्कि वह शिष्यों के एक समुदाय का आध्यात्मिक प्रमुख और श्रेष्ठ होता है, जिसे आंध्र प्रदेश धर्मार्थ और हिंदू धार्मिक संस्थाएं और बंदोबस्ती अधिनियम, 1987 द्वारा भी मान्यता प्राप्त है। पीठ ने कहा कि कोई भी ऐसी व्यवस्था जो किसी मठाधीश के धार्मिक कार्यों को उसके प्रशासनिक और धर्मनिरपेक्ष कार्यों से स्थायी रूप से अलग करने का प्रयास करती है, या बाद वाले कार्यों को किसी अन्य व्यक्ति को अनिश्चित काल के लिए सौंपती है, भले ही वैध मठाधिपति अपने पद पर बना रहे, वह महंत पद की मूल अवधारणा का ही खंडन मानी जाएगी।

रेप पीड़िता को गर्भपात की अनुमति : हाईकोर्ट ने कहा प्रजनन अधिकारों का सम्मान जरूरी

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसले में 16 वर्षीय रेप पीड़िता को गर्भपात कराने की इजाजत दे दी है। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि किसी भी महिला को अपने शरीर और प्रजनन संबंधी निर्णय लेने का पूरा अधिकार है, इस भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्राप्त जीवन, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और निजता के अधिकार का अभिन्न अंग माना जाना चाहिए। मामले की सुनवाई के दौरान, विशेष लोक अभियोजक सविता पाठक ने पीड़िता की मेडिकल रिपोर्ट पेश की। रिपोर्ट में सामने आया कि पीड़िता करीब सात सप्ताह की जुड़वा बच्चों की गर्भावस्था से गुजर रही थी, जिसमें 19 मार्च को प्रयागराज के महिला अस्पताल में हुए अल्ट्रासाउंड में दोनों भ्रूण जीवित पाए गए थे। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अंजू कनौजिया की पीठ ने सुनवाई कर महिलाओं की शारीरिक स्वायत्तता और प्रजनन संबंधी निर्णयों के सम्मान पर जोर दिया। इलाहाबाद की अदालत ने आदेश में कहा कि नाबालिगों और अनचाही गर्भावस्था से जुड़े मामलों में महिलाओं के प्रजनन अधिकारों पर अनावश्यक बाधाएं नहीं लगा सकतीं, क्योंकि ऐसा करना उनके संवैधानिक अधिकारों को कमजोर करने जैसा होगा। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यह टिप्पणी की कि पीड़िता के परिजनों ने 9 मई को ही जांच अधिकारी को गर्भावस्था की जानकारी दे दी थी, लेकिन इसके बावजूद गर्भपात की प्रक्रिया को लेकर समय पर कोई कदम नहीं उठाया गया। मामले की परिस्थितियों और पीड़िता की स्थिति को ध्यान में रखते हुए, अदालत ने गर्भपात की अनुमति को उचित ठहराया और संबंधित चिकित्सा अधिकारियों को कानून के प्रावधानों के अनुरूप आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

राहुल ने अभिषेक का जाना हाल कहा- हैदराबाद में करा सकते हैं इलाज

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी को शनिवार देर रात अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। उन्हें स्ट्रेचर के जरिए उनके घर ले जाया गया। हालांकि, घर पहुंचने के बाद अभिषेक के सीढ़ियां चढ़ने का एक वीडियो सामने आया है, जिसने राजनीतिक हलकों में एक नई बहस को जन्म दे दिया है। इस बीच, पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी ने अस्पताल के बाहर पत्रकारों से बातचीत के दौरान गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि अस्पताल प्रशासन और डॉक्टरों को लगातार धमकियां दी जा रही थीं। वहीं दूसरी तरफ इस पूरे घटनाक्रम के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी ममता बनर्जी से फोन पर बातचीत की। ममता ने बताया कि राहुल गांधी ने फोन कर अभिषेक के स्वास्थ्य की जानकारी ली और कहा कि यदि किसी भी तरह की जरूरत पड़े, तो उन्हें सूचित करें। उन्होंने अभिषेक के लिए हैदराबाद में बेहतर इलाज की व्यवस्था कराने की पेशकश भी की।

मिंटो पार्क स्थित अस्पताल के बाहर मीडिया को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि अभिषेक का इलाज अब घर पर ही कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि उनके पास एक पारिवारिक डॉक्टर हैं, जो घर पर ही इलाज की व्यवस्था संभालेंगे। अस्पताल को धमकियां मिलने के कारण वे सुचारू रूप से इलाज नहीं कर पा रहे थे। अभिषेक को सलाइन दी जा चुकी है और अब उनका आगे का उपचार घर पर ही जारी रहेगा। उन्होंने घटना की गंभीरता को रेखांकित करते हुए दावा किया कि जिस प्रकार की हिंसा और पत्थरबाजी हुई, उससे अभिषेक बनर्जी की जान भी जा सकती थी।

इस घटना को अत्यंत बर्बर करार देते हुए ममता ने कहा कि राज्य की राजनीति में ऐसा हिंसक व्यवहार पहले कभी नहीं देखा गया। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकार का जिक्र करते हुए कहा कि सीपीएम 34 साल तक सत्ता में रही, लेकिन उन्होंने भी कभी ऐसा कदम नहीं उठाया। आज जो कुछ भी हुआ, वह बेहद अमानवीय और लोकतांत्रिक मूल्यों के पूरी तरह खिलाफ है। उन्होंने आरोप लगाया कि अस्पतालों, डॉक्टरों और आम लोगों को डराया-धमकाया जा रहा है, जिसका जवाब राज्य की जनता ही देगी। उन्होंने कहा कि अभिषेक आज केवल जनता की शुभकामनाओं और समर्थन की वजह से सुरक्षित हैं। इस घटना के विरोध में तृणमूल कांग्रेस ने अब राजनीतिक आंदोलन तेज करने के संकेत दिए हैं। ममता बनर्जी ने घोषणा की कि पार्टी कार्यकर्ता रविवार से ही विभिन्न विरोध कार्यक्रम शुरू करेंगे। उन्होंने बताया कि आगामी दो तारीख से बड़े पैमाने पर आंदोलनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई है, जिसके तहत रानी रश्मोनी एवेन्यू सहित विभिन्न प्रमुख स्थानों पर राजनीतिक प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे। फिलहाल पार्टी नेताओं का कहना है कि अभिषेक बनर्जी की स्थिति स्थिर है और डॉक्टरों की निगरानी में उनका उपचार चल रहा है।

पटना एयरपोर्ट पर यात्री के बैग से मिले 7 जिंदा कारतूस, मचा हड़कंप

मुंबई जाने की तैयारी में था यात्री, वैध दस्तावेज नहीं दिखा सका

पटना (एजेंसी)। राजधानी पटना स्थित जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार को सुरक्षा जांच के दौरान एक यात्री के बैग से सात जिंदा कारतूस बरामद होने के बाद हड़कंप मच गया। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवानों ने सतर्कता दिखाते हुए यात्री को तत्काल हिरासत में ले लिया और बाद में उसे एयरपोर्ट थाना पुलिस के हवाले कर दिया। घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार गिरफ्तार यात्री की पहचान महाराष्ट्र के पुणे जिले के फुरसुंगी निवासी संतोष तिवारी के रूप में हुई है। वह पटना से मुंबई जाने वाली उड़ान पकड़ने के लिए एयरपोर्ट पहुंचा था। नियमित सुरक्षा जांच के दौरान उसके बैग को स्कैनर से गुजारा गया, जहां संदिग्ध वस्तु दिखाई देने पर सीआईएसएफ कर्मियों ने बैग की विस्तृत तलाशी ली। तलाशी के दौरान बैग से सात जिंदा कारतूस बरामद हुए।

सुरक्षा अधिकारियों ने जब संतोष तिवारी से कारतूसों के संबंध में पूछताछ की और उनके वैध लाइसेंस या दस्तावेज मांगे, तो वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। उसके पास कारतूस रखने या उन्हें एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने से संबंधित कोई अधिकृत दस्तावेज भी नहीं मिला। इसके बाद सीआईएसएफ ने उसे हिरासत में लेकर स्थानीय पुलिस को सौंप दिया। एयरपोर्ट थाना पुलिस के अनुसार आरोपी से पूछताछ की गई, लेकिन वह यह स्पष्ट नहीं कर पाया कि कारतूस उसके बैग में कैसे पहुंचे और उन्हें मुंबई ले जाने का उसका क्या उद्देश्य था। प्रारंभिक पूछताछ के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया तथा बरामद कारतूस और अन्य सामान को जब्त कर लिया है। मामले में आगे की जांच जारी है।

युवती के बैग से मिला कारतूस का खोखा

इसी दिन एयरपोर्ट पर एक अन्य घटना भी सामने आई। सुरक्षा जांच के दौरान एक युवती के बैग से कारतूस का एक खोखा बरामद हुआ। इसके बाद सुरक्षा अधिकारियों ने उसे रोककर पूछताछ की। युवती ने दावा किया कि उसे यह खोखा रास्ते में पड़ा मिला था और जिज्ञासावश उसने उसे उठाकर अपने बैग में रख लिया था। पुलिस दोनों मामलों की गंभीरता से जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि कहीं इन घटनाओं के बीच कोई संबंध तो नहीं है।

बंगाल सीमा पर शुरू हुई फेंसिंग, किसान बोले- अब फसलें नहीं लूट पाएंगे घुसपैठिए

-मुर्शिदाबाद से कूचबिहार तक तेज हुआ सीमांकन और सुरक्षा ढांचे का काम

-45 दिनों में 600 एकड़ जमीन बीएसएफ को देने का लक्ष्य

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में भारत-बांग्लादेश सीमा के खुले और संवेदनशील इलाकों में सीमा सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। सीमा सुरक्षा बल ने कई स्थानों पर फेंसिंग और सुरक्षा ढांचे के निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सीमावर्ती गांवों के लोगों ने इस पहल का स्वागत किया है और उम्मीद जताई है कि इससे वर्षों पुरानी घुसपैठ और फसलों की चोरी जैसी समस्याओं पर अंकुश लगेगा।

मुर्शिदाबाद जिले के जलंगी बाजार क्षेत्र में जीरो लाइन पर स्थित सकारपाड़ा गांव इसका प्रमुख उदाहरण बनकर उभरा है। करीब चार हजार की आबादी और ढाई हजार मतदाताओं वाले इस गांव की अधिकांश आबादी खेती पर निर्भर है। गांव की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि घरों के बाद खेत और खेतों के बाद सीधे बांग्लादेश की सीमा शुरू हो जाती है। लंबे समय से यहां रहने वाले किसानों को सीमा पार से आने वाले लोगों द्वारा फसल नुकसान और अतिक्रमण की शिकायतों का सामना करना पड़ता रहा है।

ग्राम पंचायत के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा, कि भारतीय किसानों को सुरक्षा कारणों से शाम पांच बजे के बाद खेतों में जाने की अनुमति नहीं होती, जबकि सीमा पार से लोग कई बार खेतों में घुसकर फसलें काट ले जाते थे। उनका कहना है कि पिछले तीन दशकों में शायद ही कोई महीना ऐसा बीता हो, जब इस तरह के विवाद सामने न आए हों। अब फेंसिंग शुरू होने और बीएसएफ की निगरानी बढ़ने से ग्रामीणों को राहत मिलने की उम्मीद जगी है।

किसानों को सुरक्षा मिलने का विश्वास

ग्रामीणों के अनुसार, बीएसएफ के जवान सीमा क्षेत्र में लगातार निगरानी कर रहे हैं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल चेतावनी देते हैं। इससे किसानों को विश्वास मिला है कि उनकी मेहनत की फसल अब पहले की तुलना में अधिक सुरक्षित रहेगी। नई सरकार के गठन के बाद राज्य प्रशासन ने सीमा सुरक्षा परियोजनाओं के लिए बीएसएफ को अब तक 27 किलोमीटर क्षेत्र की जमीन उपलब्ध कराई है। इनमें 18 किलोमीटर हिस्से में फेंसिंग और नौ किलोमीटर क्षेत्र में बॉर्डर आउट पोस्ट विकसित किए जाने की योजना है। फिलहाल जलपाईगुड़ी, कूचबिहार, सिलीगुड़ी, मालदा और मुर्शिदाबाद जैसे सीमावर्ती जिलों में काम शुरू किया गया है।

जमीन उपलब्ध कराने में मुर्शिदाबाद सबसे आगे

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, सबसे अधिक जमीन मुर्शिदाबाद जिले में उपलब्ध कराई गई है। इसके अलावा जलपाईगुड़ी और कूचबिहार में भी भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। राज्य सरकार ने अगले 45 दिनों के भीतर कुल 600 एकड़ जमीन बीएसएफ को उपलब्ध कराने का लक्ष्य तय किया है, ताकि सीमा पर कंटीले तारों की बाड़, चौकियां और अन्य सुरक्षा ढांचे विकसित किए जा सकें।

आबकारी विभाग का 'विशेष निरोधात्मक अभियान' सफलः 3.93 करोड़ से अधिक की अवैध मदिरा जब्त, 922 तस्कर गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल|उदयपुर

आबकारी आयुक्त नमित मेहता के कुशल और प्रभावी नेतृत्व में प्रदेश में अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन तथा विक्रय पर रोक लगाने के लिए चलाया गया एक माह का विशेष निरोधात्मक अभियान अत्यंत सफल रहा है। 1 मई से 31 मई तक चले इस अभियान के दौरान आबकारी विभाग ने 3 करोड़ 93 लाख से अधिक मूल्य की विदेशी मदिरा सहित भारी मात्रा में अवैध शराब की खेप पकड़ी है। इस सफल कार्रवाई से अवैध मदिरा की तस्करी पर प्रभावी चोट की गई है, जिससे राज्य के राजस्व क्षति को रोकने में सहायता मिली है। विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत प्रदेश भर में 2046 अभियोग दर्ज किए गए हैं, जबकि 922 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। अवैध शराब के निर्माण पर कड़ी कार्रवाई करते हुए 5 लाख 62 हजार 984 लीटर वॉश (कच्चा माल) और शराब की भट्टियों को नष्ट किया गया।

अभियान के दौरान जब्त की गई मदिरा का विवरण इस प्रकार हैः

भारत निर्मित विदेशी मदिराः 39,219 लीटर, जिसकी अनुमानित लागत 3 करोड़ 93 लाख 6 हजार 809 रूपए है। बीयरः 19,806 लीटर, जिसकी कीमत 44 लाख 40 हजार रूपए आंकी गई। हथकड़ शराबः 13,443 लीटर जब्त की गई। देशी मदिराः 7,182 लीटर, जिसकी लागत 19 लाख 41 हजार 242 रूपए है। स्पिरिटः 30 लीटर जब्त की गई। अवैध परिवहन में लिप्त कुल 94 वाहन जब्त किए गए, जिनमें 15 बड़े वाहन, 13 हल्के चार पहिया वाहन, एक तिपहिया वाहन और 65 दुपहिया वाहन शामिल हैं।

करोड़ों की अवैध शराब की बड़ी खेप पकड़ी गई

आबकारी विभाग ने इस दौरान कई बड़े और हाई-प्रोफाइल जब्ती प्रकरणों को अंजाम दियाः हनुमानगढ़ः भारतमाला एक्सप्रेस वे पर एक ट्रक से 'फॉर सेल इन पंजाब' लिखी अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप पकड़ी गई, जिसकी अनुमानित कीमत 90 लाख है। कोटाः नेषनल हाईवे 52 पर नया टोल प्लाजा गोपालपुरा के समीप दो अलग-अलग कार्रवाई में ट्रकों से क्रमशः 60 लाख और 70 लाख मूल्य की अंग्रेजी शराब जब्त बरामद की गई। बाड़मेरः बालोतरा सर्किल में अमृतसर-जामनगर भारतमाला एक्सप्रेस वे पर एक ट्रक से लगभग 62 लाख की अंग्रेजी शराब बरामद कर प्रकरण दर्ज किया गया। जोधपुरः औसियां में भारतमाला एक्सप्रेस वे पर जोधपुर एवं पाली की संयुक्त टीम द्वारा लगभग 58 लाख रूपए की अंग्रेजी शराब ट्रक से जब्त की गई। दौसाः दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस वे पर नाकाबंदी के दौरान एक ट्रक से 'फॉर सेल इन पंजाब' अंग्रेजी शराब बरामद हुई, जिसकी अनुमानित कीमत 50 लाख है। उदयपुरः खेरवाड़ा के खांडी ओबरी टोल नाके के पास एक ट्रक कंटेनर से 'फॉर सेल चंडीगढ़' अंग्रेजी शराब जब्त की गई, जिसकी अनुमानित कीमत 35 लाख रूपए आंकी गई। इसी क्रम में जालौर में भी एक मिनी ट्रक से अंग्रेजी शराब की खेप बरामद की गई।

आबकारी आयुक्त की नियमित मॉनिटरिंग

इस अभियान को प्रभावी बनाने में आबकारी आयुक्त नमित मेहता का प्रभावी नेतृत्व महत्वपूर्ण रहा। उन्होंने नियमित रूप से अभियान की मॉनिटरिंग की और दो बार वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से प्रदेश की समस्त ईपीएफ टीम, जोन व जिला अधिकारियों को सजगता से गश्त, नाकाबंदी और दबिश के लिए निर्देशित किया। दैनिक समीक्षा के माध्यम से मुखबिर तंत्र को सुदृढ़ किया गया तथा आवश्यकतानुसार स्थानीय पुलिस और रेलवे पुलिस का सहयोग लेकर अवैध मदिरा के परिवहन पर प्रभावी रोक लगाई गई, जिससे अभियान की सफलता सुनिश्चित हुई।

रायला थाना पुलिस की सख्त नाकाबंदी, वाहनों की गहन जांच से मचा हड़कंप

स्मार्ट हलचल| रायला

थाना क्षेत्र में अपराधियों और अवैध गतिविधियों पर लगाम कसने के लिए पुलिस ने सख्त नाकाबंदी करते हुए सघन वाहन जांच अभियान चलाया। थाना परिसर के बाहर विशेष नाकाबदी लगाकर आने-जाने वाले वाहन की गहन तलाशी ली गई।

यह अभियान पुलिस अधीक्षक सागर राणा के निर्देशन में चलाया जा रहा है, जिसके तहत जिलेभर में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। रायला में अभियान के दौरान बिना नंबर प्लेट वाले वाहन, काले शीशे लगी गाड़ियां और संदिग्ध वाहनों की विशेष जांच की गई।

इसके साथ ही यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर भी सख्त कार्रवाई की गई। बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चालकों और बिना सीट बेल्ट चार पहिया वाहन चालकों के चालान काटे गए रायला थानाधिकारी मूलचंद वर्मा ने बताया कि दोपहर 3 बजे से शुरू हुई नाकाबंदी शाम 7 बजे तक जारी रही। इस दौरान हर वाहन की बारीकी से जांच कर संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखी गई।

अभियान के शुरुआती चरण में पहले एक से दो घंटे में ही 12 से 15चालान बनाए गए हैं। पुलिस का कहना है कि यह कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

पुलिस की इस सख्ती से आमजन में सुरक्षा का विश्वास बढ़ा है, वहीं अपराधियों और नियम तोड़ने वालों में खौफ का माहौल भी साफ नजर आ रहा है।

वाहनों में काली फिल्म, प्रेशर हॉर्न और अवैध नंबर प्लेट लगाई तो खैर नहीं; 3 दिन में हटा लें, वरना सीज होगा वाहन

नंबर प्लेट पर लिखा है 'जाति या पद'? तो संभल जाइए! 3 दिन बाद सीधे ज़ब्त होगी गाड़ी, ड्राइविंग लाइसेंस भी होगा रद्द।

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। राज्य में वाहनों में अवैध बदलाव (मॉडिफिकेशन), अनधिकृत लाल/नीली बत्ती, प्रेशर हॉर्न, काली फिल्म और नियमों के विरुद्ध नंबर प्लेट लगाकर घूमने वालों के खिलाफ परिवहन विभाग ने अब तक का सबसे सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। विभाग ने ऐसे वाहनों के खिलाफ एक विशेष राष्ट्रव्यापी/राज्यव्यापी जांच एवं प्रवर्तन अभियान चलाने का आदेश जारी किया है। परिवहन विभाग के संज्ञान में आया है कि कई वाहन स्वामी मोटर वाहन अधिनियम के नियमों को ताक पर रखकर गाड़ियों की मूल संरचना बदल रहे हैं। कोर्ट और सरकार के सख्त आदेशों के बावजूद वाहनों पर काली फिल्म, हूटर, फ्लैशर लाइट और नियमों के खिलाफ जाकर नंबर प्लेटों पर पद, नाम, जाति या अन्य अनधिकृत शब्द लिखे जा रहे हैं।

अपराधियों पर नकेल कसने की तैयारी

परिवहन विभाग के अनुसार, अक्सर यह देखा गया है कि इस तरह के मॉडिफाइड और काली फिल्म लगे वाहनों का इस्तेमाल मादक पदार्थों (ड्रग्स) की तस्करी और अन्य आपराधिक गतिविधियों में आदतन अपराधियों द्वारा किया जाता है। ऐसे वाहन सड़क सुरक्षा के लिए तो गंभीर खतरा हैं ही, साथ ही माननीय उच्चतम न्यायालय की सड़क सुरक्षा समिति के निर्देशों की भी सीधे तौर पर अवहेलना हैं।

केवल 3 दिन की मोहलत, फिर सीधा एक्शन

सरकार ने आम जनता को राहत देते हुए 3 दिनों का समय (जन-जागरूकता अवधि) दिया है। यदि आपके वाहन में भी ऐसी कोई कमी है, तो 3 दिन के भीतर उसे स्वेच्छा से ठीक करवा लें। इस अवधि के समाप्त होने के बाद चेकिंग के दौरान पकड़े जाने पर कोई नरमी नहीं बरती जाएगी।

किस उल्लंघन पर क्या होगी कार्रवाई?

नंबर प्लेट से छेड़छाड़ (धारा 39, 192, 207): अगर गाड़ी पर हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट नहीं है, प्लेट ढकी हुई है, अपठनीय है, या उस पर कोई पद/नाम लिखा है, तो गाड़ी को सीधे ज़ब्त किया जा सकता है। साथ ही गाड़ी का रजिस्ट्रेशन भी सस्पेंड हो सकता है। काली फिल्म और अनधिकृत बत्तियां (धारा 177, 190): शीशों पर लगी काली फिल्म और बिना अनुमति के लगाए गए हूटर, लाल-नीली बत्ती या फ्लैशर लाइट को मौके पर ही तुरंत उतरवाया और जब्त किया जाएगा।

प्रेशर हॉर्न पर सस्पेंड होगा लाइसेंस (धारा 19): यदि गाड़ी में प्रेशर या एयर हॉर्न पाया गया तो उसे तुरंत निकालकर फेंक दिया जाएगा और ध्वनि प्रदूषण फैलाने के जुर्म में चालक का ड्राइविंग लाइसेंस अयोग्य कर दिया जाएगा। गाड़ी का रंग या ढांचा बदलना (धारा 52): कंपनी से मिली मूल संरचना, बैठक क्षमता या रंग में बिना अनुमति बदलाव करने पर भारी जुर्माना लगाया जाएगा।

लापरवाही बरतने वाले अफसरों पर भी होगी कार्रवाई

यह आदेश केवल वाहन स्वामियों के लिए ही नहीं, बल्कि परिवहन विभाग के अधिकारियों के लिए भी एक बड़ी चेतावनी है। आदेश में साफ कहा गया है कि यदि किसी प्रवर्तन अधिकारी के कार्यक्षेत्र में ऐसे अवैध वाहन चलते पाए गए, तो संबंधित अधिकारी और कर्मचारी के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

पोटलां में तेज हवाओं का तांडव, दर्जनों पेड़ गिरे और दीवारें ढहीं, टिनशेड उड़े; बिजली व्यवस्था ठप

स्मार्ट हलचल|गंगापुर

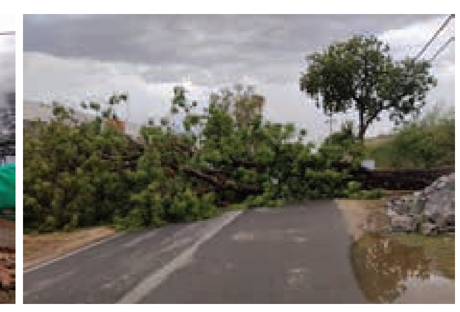

कस्बे और आस-पास के ग्रामीण इलाकों में सोमवार को अचानक आए तेज अंधड़ और तूफानी हवाओं ने भारी तबाही मचाई है। चक्रवाती हवाओं के इस तांडव से जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया। महज कुछ ही मिनटों की तेज हवाओं ने कस्बे में भारी नुकसान पहुंचाया है, जिससे चारों तरफ अफरा-तफरी का माहौल बन गया। तेज हवाओं के बाद बरसात का दौर शुरू हुआ जो लगभग आधे घंटे तक चलता रहा।

पोटला में आसमान में उड़े टिनशेड, भरभराकर गिरीं दीवार

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शाम 5:30 बाद अचानक मौसम का मिजाज बदला और धूलभरी तेज हवाएं चलने लगीं। हवा की रफ्तार इतनी तेज थी कि कई मकानों और दुकानों के ऊपर रखे भारी-भरकम टिनशेड कागज़ की तरह हवा में उड़ गए और दूर जा गिरे। तूफानी हवाओं के दबाव के कारण पोटला में कच्चे मकान की दीवार भरभराकर ढह गई। गनीमत यह रही कि मलबे की चपेट में आने से कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन कई लोग बाल-बाल बचे। दर्जनों पेड़ उखड़े, बिजली के पोल और तार टूटे, तूफान का सबसे ज्यादा असर पोटला की सड़कों और बिजली व्यवस्था पर पड़ा है। मुख्य मार्गों और संपर्क सड़कों पर दर्जनों पुराने और विशालकाय पेड़ जड़ से उखड़कर गिर गए, जिससे यातायात पूरी तरह से बाधित हो गया। पेड़ों के गिरने और तेज हवा के थपेड़ों के कारण विद्युत विभाग के पोल जमींदोज़ हो गए और मुख्य सप्लाई की लाइनें के तार टूटकर सड़कों पर बिखर गए। बिजली के बुनियादी ढांचे को पहुंचे इस भारी नुकसान के कारण पूरे कस्बे की बिजली गुल हो गई है। बड़ा संकट बिजली के पोल टूटने और तार गिरने से पूरे क्षेत्र में ब्लैकआउट जैसी स्थिति बन गई है। पेयजल आपूर्ति भी बुरी तरह प्रभावित होने की आशंका है।

प्रशासनिक मुस्तैदी और राहत कार्य

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पोटलां पुलिस चौकी प्रशासन और विद्युत विभाग की टीमें अलर्ट मोड पर आ गईं।

मार्ग सुचारू के प्रयास

सड़कों पर गिरे पेड़ों को कटर की मदद से हटाकर रास्ता साफ करने के प्रयास युद्ध स्तर पर जारी हैं।

बिजली बहाली

विद्युत विभाग के अधिकारियों का कहना है कि नुकसान काफी बड़ा है। टूटे हुए पोल और तारों को बदलने के लिए अतिरिक्त टीमें लगाई गई हैं, लेकिन पूरी तरह बिजली बहाल होने में समय लग सकता है। स्थानीय प्रशासन ने एहतियात के तौर पर ग्रामीणों को अभी टूटे हुए बिजली के तारों से दूर रहने और सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है। फिलहाल नुक

राजनगर रेलवे अंडर ब्रिज निर्माण में देरी से जनता परेशान, भेजा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल

बिजयनगर। राजनगर रेलवे अंडर ब्रिज निर्माण कार्य में हो रही देरी को लेकर क्षेत्रवासियों ने रेल मंत्री के नाम ज्ञापन भेजकर निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कराने की मांग की है।

ज्ञापन में बताया गया कि पिछले कई महीनों से निर्माण कार्य धीमी गति से चल रहा है, जिससे राजनगर और आसपास के गांवों के लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मुख्य मार्ग बाधित होने के कारण लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए लंबा और वैकल्पिक रास्ता तय करना पड़ रहा है।

क्षेत्रवासियों ने कहा कि सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को हो रही है। साथ ही स्थानीय व्यापार भी प्रभावित हुआ है। ज्ञापन में प्रशासन और संबंधित विभाग से निर्माण कार्य में तेजी लाकर अंडर ब्रिज को जल्द पूर्ण कराने की मांग की गई है।

हमीरगढ़ और मंगरोप में अलग-अलग कार्रवाई, 885 ग्राम गांजा जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

प्रशिक्षित डॉग की मदद से भी मिली सफलता

स्मार्ट हलचल|पुनित चपलोत

आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

भीलवाड़ा। जिले में नशे के सौदागरों के खिलाफ एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) का अभियान लगातार जारी है। ए.एन.टी.एफ. महानिरीक्षक पुलिस विकास कुमार ने बताया कि अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस दिनेश एम.एन. के मार्गदर्शन में मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ प्रदेशभर में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में भीलवाड़ा जिले के हमीरगढ़ और मंगरोप थाना क्षेत्रों में की गई दो अलग-अलग कार्रवाइयों में कुल 885 ग्राम अवैध गांजा बरामद कर दो

हमीरगढ़ रेलवे फाटक के पास 717 ग्राम गांजा बरामद

एएनटीएफ टीम को सूचना मिली थी कि हमीरगढ़ रेलवे फाटक क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थ की सप्लाई की जा रही है। सूचना के आधार पर टीम ने सादा वेश में क्षेत्र में निगरानी शुरू की। इस दौरान रेलवे फाटक के आगे सर्विस रोड पर एक संदिग्ध व्यक्ति हाथ में थैला लिए खड़ा दिखाई दिया। स्थानीय पुलिस को सूचना देने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर संदिग्ध व्यक्ति रेलवे पटरी की ओर जाने लगा, लेकिन घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया गया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 717 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने गांजा जब्त कर आरोपी विजय कुमार खटीक उर्फ सोनू पुत्र बंशीलाल खटीक (31), निवासी माताजी रोड, खटीक मोहल्ला, हमीरगढ़ को गिरफ्तार कर लिया।

प्रशिक्षित डॉग की मदद से मंगरोप में दूसरी कार्रवाई

दूसरी कार्रवाई मंगरोप थाना क्षेत्र में की गई। एएनटीएफ को सूचना मिली थी कि गुवारड़ी नाला स्थित एनएच-48 पर देवनारायण मंदिर के पास गांजे की सप्लाई की जा रही है। सूचना के सत्यापन के बाद टीम ने सादा वेश में मौके पर निगरानी शुरू की। मंदिर के पास एक संदिग्ध व्यक्ति दिखाई देने पर स्थानीय पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस वाहन देखकर आरोपी भागने लगा, लेकिन घेराबंदी कर उसे दबोच लिया गया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 168 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। कार्रवाई में प्रशिक्षित डॉग की भी सहायता ली गई। पुलिस ने आरोपी मोहनलाल पुत्र कालूलाल गुर्जर (40), निवासी गुर्जर मोहल्ला, गुवारड़ी, थाना मंगरोप को गिरफ्तार कर गांजा जब्त कर लिया। पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर यह पता लगाने में जुटी है कि मादक पदार्थ की खेप कहां से लाई गई थी और इसकी सप्लाई किन-किन लोगों तक की जानी थी।

मकान के बाहर खड़ी मोटर साइकिल पार, मामला दर्ज

स्मार्ट हलचल

लाडपुरा। कस्बे में इन दिनों अज्ञात चोरों व वाहन चोरों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। लाडपुरा कस्बे में बीती रात चोरों ने एक रिहायशी मकान को निशाना बनाते हुए घर के बाहर खड़ी एक मोटरसाइकिल पर हाथ साफ कर दिया। सुबह जब वाहन मालिक को चोरी की इस वारदात का पता चला तो उसके होश उड़ गए। पीड़ित ने इस संबंध में स्थानीय मांडलगढ़ थाना पुलिस को लिखित रिपोर्ट सौंपकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, लाडपुरा निवासी कालू माली ने रोजमर्रा की तरह बीती रात अपनी मोटरसाइकिल को अपने घर के बाहर सुरक्षित खड़ी किया था। इसके बाद वह घर के भीतर सोने चला गया। देर रात को सूनेपन का फायदा उठाकर अज्ञात शातिर बदमाश बाइक चुरा ले गए।

सुबह जब कालू माली सोकर उठा और घर के बाहर आया, तो उसे अपनी बाइक वहां दिखाई नहीं दी। घर के ठीक बाहर से गाड़ी गायब देखकर पीड़ित के होश उड़ गए। उसने तुरंत आस-पास के क्षेत्र, गली-मोहल्ले और मुख्य रास्तों पर बाइक की काफी तलाश की, लेकिन वाहन का कहीं भी कोई सुराग नहीं लग सका। अंततः पीड़ित कालू माली मांडलगढ़ थाने पहुंचा और अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मोटरसाइकिल चोरी की लिखित रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने और चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

नाकाबंदी तोड़कर भागी स्कॉर्पियो से 296 किलो डोडा चूरा जब्त, तस्कर फरार

हाईवे पर बैरिकेड्स को छूते हुए तस्करों ने दौड़ाई गाड़ी, क्रेशर प्लांट के पास गाड़ी छोड़ जंगल में हुए ओझल, मामला दर्ज

स्मार्ट हलचल

जहाजपुर। थाना पुलिस ने रविवार रात मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ एक बड़ी और ऐतिहासिक कार्रवाई को अंजाम देते हुए करीब 296 किलो अवैध अफीम डोडा चूरा से भरी एक स्कॉर्पियो कार को जब्त किया है। पुलिस की मुस्तैद नाकाबंदी को देखकर तस्कर वाहन को हाईवे पर ही छोड़कर घने जंगल और अंधेरे का फायदा उठाते हुए फरार हो गए, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।

मुखबिर की सूचना पर हाईवे पर की गई डबल नाकाबंदी:

थानाधिकारी लोकपाल सिंह ने बताया कि वह अपनी विशेष टीम के साथ क्षेत्र में मुस्तैदी से गश्त कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर के जरिए पुख्ता सूचना मिली कि पीपलूंद की ओर से एक सफेद रंग की स्कॉर्पियो गाड़ी में भारी मात्रा में अवैध डोडा चूरा भरकर तस्कर उसे अन्यत्र सप्लाई करने के लिए गुजरने वाले हैं। सूचना को बेहद गंभीर मानते हुए पुलिस टीम ने तुरंत एक्शन लिया और भूतेश्वर महादेव मंदिर के ठीक सामने राष्ट्रीय राजमार्ग 148ष्ठ पर कड़क तरीके से 'डबल नाकाबंदी' लगा दी।

फिल्मी स्टाइल में तोड़ा नाका, पुलिस ने किया पीछाः

कुछ ही देर बाद मुखबिर के बताए अनुसार एक संदिग्ध सफेद स्कॉर्पियो आती हुई दिखाई दी। पुलिस टीम ने जब उसे रुकने का इशारा किया, तो चालक ने गाड़ी की रफ्तार कम करने के बजाय बैरिकेड्स को छूते हुए तेज गति से वाहन को जहाजपुर कस्बे की ओर दौड़ा दिया। पुलिस टीम ने भी बिना वक्त गंवाए अपनी गाड़ियों से तस्करों का पीछा शुरू किया। पुलिस को लगातार पीछे आता देख तस्कर वाहन को बारहदेवरा मार्ग की ओर ले गए।

लगातार पीछा किए जाने से घबराकर तस्करों ने बारहदेवरा के आगे स्थित एक क्रेशर प्लांट के निकट स्कॉर्पियो को रोका और दोनों तस्कर गाड़ी से कूदकर घने जंगल व रात के अंधेरे का फायदा उठाकर ओझल हो गए। पुलिस ने देर रात तक सर्च ऑपरेशन चलाया, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद जब लावारिस स्कॉर्पियो की सघन तलाशी ली गई, तो उसमें रखे 15 प्लास्टिक के कट्टों से कुल 296 किलो 270 ग्राम अवैध अफीम डोडा चूरा बरामद हुआ। पुलिस ने डोडा चूरा और स्कॉर्पियो को जब्त कर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस शानदार कार्रवाई को अंजाम देने वाली टीम में हेड कांस्टेबल काशीराम, कांस्टेबल गिरिराज, मंगल, राधेश्याम, मनराज तथा चालक कांस्टेबल रिकम की विशेष और सराहनीय भूमिका रही।

सांप के काटने से महिला की मौत

स्मार्ट हलचल

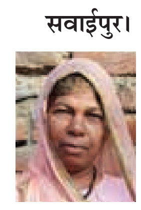

सवाईपुर। सवाईपुर कस्बे में खेत पर चारा लेने गई एक महिला की सांप के काटने से मौत हो गई, सवाईपुर चौकी पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द किया । चौकी प्रभारी प्यार चंद खटीक ने बताया कि सवाईपुर निवासी जस्सू देवी पत्नी उदा माली उम्र 57 वर्ष रविवार दोपहर बाद खेत पर पशुओं के लिए चारा लेने गई थी, इसी दौरान चारा काटते समय जहरीले सांप ने काट लिया, अचेत महिला को परिजन जिला चिकित्सालय लेकर गये, जहां इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई । पुलिस ने सोमवार को जिला चिकित्सालय में शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द किया । महिला के पुत्र शिवलाल माली ने रिपोर्ट दी । गमहिन माहौल में अंतिम संस्कार किया गया।

मांडलगढ़ में पंचायतीराज कर्मचारियों का 'स्वाभिमान बचाओ आंदोलन' शुरू, मांगें न मानने पर जयपुर में सामूहिक महाजल समाधि की चेतावनी

उत्तराखंड पैटर्न लागू करने और कैडर रिव्यू सहित 7 सूत्री मांगों को लेकर एसडीएम व बीडीओ को सौंपा ज्ञापन; 10 जून से आधे दिन की 'कलम डाउन' हड़ताल का ऐलान

स्मार्ट हलचल

मांडलगढ़। ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग के मंत्रालयिक कर्मचारियों ने अपनी लंबित और वाजिब मांगों को लेकर राज्य सरकार के खिलाफ आंदोलन का शंखनाद कर दिया है। 'पंचायतीराज मंत्रालयिक कर्मचारी संगठन (पंजी.) राजस्थान' जिला शाखा भीलवाड़ा के ब्लॉक मांडलगढ़ द्वारा 1 जून से 'स्वाभिमान बचाओ आंदोलन' के प्रथम चरण का आगाज करते हुए गुरुवार को ब्लॉक स्तर पर उपखंड अधिकारी (एसडीएम) तथा विकास अधिकारी (बीडीओ) को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया।

जयपुर में लंबे अनुनय-विनय के बाद भी समाधान नहीं:

संगठन के प्रदेश प्रतिनिधि अशोक कुमार वैष्णव ने बताया कि जयपुर में विभागीय स्तर पर अपनी जायज मांगों के संबंध में लंबे समय तक अनुनय-विनय करने के बाद भी जब विभाग द्वारा कोई उचित समाधान नहीं निकाला गया, तब मजबूरन प्रदेश संगठन को आंदोलन का निर्णय लेना पड़ा। मंत्रालय संघ के हरिशंकर तेली ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि हमारी मांगों पर सरकार को तत्काल निर्णय करना होगा, अन्यथा यह आंदोलन अब रुकने वाला नहीं है। संघ के राधेश्याम अहीर एवं आशीष कुमार भट्ट ने कहा कि शासन-प्रशासन के प्रत्येक स्तर के कार्यों का संपादन बाबू (मंत्रालयिक) वर्ग करता है, लेकिन जानबूझकर इस संवर्ग को हक-अधिकारों से वंचित किया जा रहा है, जो शासन की पक्षपातपूर्ण नीति को दर्शाता है। अब यह स्थिति

सहन करने योग्य नहीं है।

ये हैं कर्मचारियों की मुख्य 7 सूत्री मांगें:

कर्मचारियों ने वित्त व कार्मिक विभाग के नियमानुसार अपनी प्रमुख मांगें सरकार के समक्ष रखी हैं, जिनमें: सम्पूर्ण उत्तराखण्ड पैटर्न लागू करवाना। वित्त विभाग के नॉर्म्स अनुसार ग्राम पंचायत स्तर पर त्रिस्तरीय व्यवस्था करना। कार्मिक विभाग के नियमानुसार सम्पूर्ण कैडर रिव्यू करवाना। पटवारी व कृषि पर्यवेक्षक की तर्ज पर अतिरिक्त प्रभार व हार्ड ड्यूटी अलाउंस देना।

एक ही भर्ती में देरी से भर्ती किए गए कार्मिकों को नोशनल परिलाभ देना। अंतरजिला स्थानांतरण नीति को लागू करना। कनिष्ठ लिपिक भर्ती 2013 में फर्जी प्रकरणों की जांच विरोधी कैडर से न करवाकर तृतीय पक्ष से निष्पक्ष करवाना।

07 जुलाई को जयपुर के जल महल में महाजल समाधि:

संगठन द्वारा आंदोलन का चरणबद्ध कार्यक्रम घोषित किया गया है, जिसके तहत 8 जून को जिला स्तर पर जिला कलेक्टर व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (ष्टश्वह्र) को ज्ञापन दिया जाएगा। इसके बाद 10 से 16 जून तक आधा दिन 'कलम डाउन' (कार्य बहिष्कार) हड़ताल रहेगी। 17 से 19 जून तक ब्लॉक, जिला व राज्य स्तर पर सद्बुद्धि यज्ञ किए जाएंगे। 24 व 25 जून को प्रदेश, जिला व ब्लॉक कार्यकारिणी जयपुर कूच करेगी। 1 जुलाई से वीबीजी रामजी योजना का संपूर्ण बहिष्कार किया जाएगा और मांगें पूरी न होने पर 6 जुलाई को जयपुर में मुख्यमंत्री आवास का घेराव कर 7 जुलाई को जयपुर के जल महल पर सामूहिक महाजल समाधि ली जाएगी।

ज्ञापन में ये रहे शामिल:

मांडलगढ़ में आयोजित ज्ञापन कार्यक्रम में संगठन के अभिषेक गोवर्धन पुरी गोस्वामी, रमेश कुमार मीणा, मंजू तेली, ज्योति जैन, मुकेश कुमार बेरवा, कनिष्ठ सहायक कमलेश कुमार गुर्जर, सूर्यभान सिंह, राधेश्याम धाकड़, सोनू पाराशर, चेतन पाराशर, फरियाज अली तथा भागीरथ मीणा सहित भारी संख्या में मंत्रालयिक कर्मचारी उपस्थित रहे।

पांच मिनिट की रिम झिम बारिश ने फिर खोली विद्यालय की पोल

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

उपतहसील मुख्यालय ढिकोला में एक बार फिर बिन मौसम की बारिश ने महज नाम मात्र पांच मिनिट हुई बारिश ने सरकार ओर विभाग की पोल खोल दी ! विद्यालय फिर जल भराव से तालाब बन गया ! विपक्ष के एक नेता ने बताया की आखिर सत्ता में बैठे जिम्मेदार नेता व विभाग के अधिकारी इतनी लापरवाही कैसे बरत रहे ! एक हजार बालक / बालिकाओं के भविष्य के साथ लगातार खिलवाड़ हो रहा है उस पर मोन चुप्पी साधे बैठे है ! सरकार विभाग किसी बड़े हादसे के इंतजार में बैठे है !

प्रदेश के शिक्षा मंत्री से बात करने पर पता चला की उन्होंने स्थानीय विधायक व बीडीओ से मिलने को कहा ! स्थानीय स्तर पर विधायक व सभी अधिकारी को मामला संज्ञान होने के बाद मोन है ! मंत्री जी अपने विभाग का काम करने के बजाय फालतू अनर्गल बयान बाजी व पुपाडिया बजाने में व्यस्त व मस्त है ! आखिर मासूम बच्चो का क्या कसूर है ! शिक्षा का मंदिर ही फेलियर है उसे देखते हुए राजस्थान में शिक्षा विभाग कितना बदहाल है इससे अंदाजा लगाया जा सकता है ! अगर जल्द ही ठोस कदम नहीं उठाया जाता या फिर समस्या का निस्तारण नहीं किया जाता तो फिर सरकार के खिलाफ विपक्ष को मोर्चा खोलना पड़ेगा जिसकी समस्त जिम्मेदारी सरकार की होगी ।

अहिल्याबाई होल्कर की जयंती मनाई

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

लोकमाता राजमाता अहिल्याबाई होल्कर की 301वीं जयंती श्रद्धा, सम्मान एवं उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी ज्ञानानंद तीर्थ एवं स्वामी लक्षेश्वरानंद तीर्थ के सानिध्य में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी ज्ञानानंदजी तीर्थ ने राजमाता अहिल्याबाई होल्कर के आदर्श जीवन, उत्कृष्ट प्रशासन, धर्म एवं समाज सेवा के क्षेत्र में उनके अतुलनीय योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर भारतीय संस्कृति, नारी शक्ति और लोककल्याण की प्रेरणास्रोत हैं। उनके द्वारा देशभर में निर्मित मंदिर, घाट और धर्मस्थल आज भी उनकी दूरदर्शिता एवं जनसेवा की भावना के प्रतीक हैं। कार्यक्रम में कॉन्ट्रैक्टर ओम प्रकाश सेन, गोपाल सेन, राहुल सेन, तन्मय सेन सहित कमला पॉम सोसाइटी के अनिल नुवाल, महेश शर्मा, राजू सिंह, सुरेंद्र सिंह तथा महिला मंडल की मीना सेन, मंजू नुवाल, कांता देवपुरा, कुसुम सेन,अंकिता सेन, महिमा नुवाल एवं कोमल सेन सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने राजमाता अहिल्याबाई होल्कर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया।

अंत में कॉन्ट्रैक्टर ओम प्रकाश सेन ने सभी का आभार व्यक्त किया।

कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, पेयजल, बिजली एवं सड़क और समस्या के समाधान की मांग साथ ही रडी में पाईप लाईन बदलने की मांग की

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

मनीष गुर्जर जिला उपाध्यक्ष रमेश गुर्जर ने बताया कि ग्राम पंचायत बालेसरिया दुदला रडी हाथीपूरा भेरूखेड़ा के ग्रामीणों ने विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में प्रमुख रूप से चंबल परियोजना के पानी की नियमित एवं पर्याप्त आपूर्ति समय पर सभी गाँवो में चंबल का पानी पहुँचाने की मांग की सुनिश्चित करने की मांग की गई। ग्रामीणों ने बताया कि पंचायत क्षेत्र के कई गांवों में पेयजल संकट गहराता जा रहा है, जिससे आमजन एवं पशुपालकों को भारी परेशानियों

का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने क्षेत्र में व्याप्त बिजली संबंधी समस्याओं को भी उठाते हुए विद्युत व्यवस्था में सुधार की मांग की। साथ ही बालेसरिया में कुम्हार समाज के घरों के उपर से 11 हज़ार केवी की बिजली लाईन निकल रही है जिससे कभी भी कोई हादसा हो सकता है उसके लिए बिजली के तारों को हटाने की मांग की

इसके अलावा ग्राम दूदला रडी के ग्रामीणों ने अपने गांव रडी दुदला से ग्राम पंचायत बालेसरिया जाने में हो रही परेशानी को लेकर संबंधित मार्ग रोड को डामरीकरण करने सुधार एवं आवश्यक कार्य करवाने की मांग की। मार्गो को लेकर रोज़ाना मजदूरी करने फैक्टरियों में जाने की समस्या का सामना करना पड़ता है साथ ही लोगो को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में ग्रामीणों ने रसद अधिकारी को भी अलग से पत्र सौंपकर दुदला रडी में राशन वितरण करने की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की अपनी समस्याओं से अवगत कराया तथा शीघ्र समाधान की मांग की। ज्ञापन के दौरान ग्राम पंचायत क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक एवं ग्रामीण मौजूद रहे। ग्रामीणों ने प्रशासन से जनहित की समस्याओं का जल्द निराकरण करने की अपील की।

बनेड़ा में जलदाय विभाग की दो ट्यूबवेल से 200 फिट केबल चोरी

स्मार्ट हलचल | बनेड़ा

उपखण्ड मुख्यालय स्थित मांडल गेट क्षेत्र में स्थित महासतिया मोक्षधाम के पास स्थित जलदाय विभाग की दो ट्यूबवेलों से लगभग 200 फिट केबल अज्ञात लोग काटकर के चुरा ले गए। जलदाय विभाग के सहायक अभियंता राहुल सबल ने बताया कि रविवार रात्री को अज्ञात लोग रामसरोवर धर्म तालाब के किनारे स्थित महासतिया मोक्षधाम के पास स्थित विभाग की दो ट्यूबवेलों से पैनल बाक्स तक की दौ सौ फिट केबल अज्ञात चोर चुरा ले गए। जिसके कारण कस्बे के कायमखानी मोहल्ला मांडल गेट नाथ कुई पायको की घाटी देवपुरा मोहल्ला सहित कुछ अन्य क्षेत्रों की जलापूर्ति व्यवस्था गडबडा गई।पहले भी केबल चोरी की वारदातें हो चुकी हैं। इस सम्बंध में सहायक अभियंता सबल ने अज्ञात लोगों के खिलाफ केबल चोरी की रिपोर्ट थाने में दी है।

होटल पर युवक पर हमला करने के मामले में चार गिरफ्तार

लाठियों और सरियों से लैस होकर आरोपियों ने किया था हमला

स्मार्ट हलचल | बनेड़ा

थाना सर्किल के शोभागपुरा तिराहे पर स्थित एक होटल पर चाय पी रहे पुर्व पंचायत समिति के पुत्र पर सरदारनगर पंचायत प्रशासक के पोत्र और अन्य जनो ने लाठियों और सरियो से अचानक हमला बोल दिया। साथ ही बिच बचाव में आए लोगों के साथ भी हमलावरों ने मारपीट की। हमले में घायल युवक को लोग उपचार हैतु सीएचसी लेकर पहुंचे। जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय हैतु रेफर कर दिया।पुलिस ने हमलावरों के खिलाफ मामला दर्ज कर के जांच शुरू कि है।

थाना प्रभारी बच्छराज चौधरी ने बताया कि सरदारनगर निवासी राजु पुत्र रामलाल तेली ने रविवार को दर्ज करवाई अपनी रिपोर्ट में बताया कि 31 मई की दोपहर उसका भाई सत्यनारायण तेली शोभागपुरा तिराहे पर स्थित एक होटल पर अपने मिलने वालो के साथ बैठ कर के चाय पी रहा था। इस दौरान सरदारनगर ग्राम पंचायत के सरपंच पुत्र मोहन लाल पिता बालु राम जाट करण पिता मोहन जाट अर्जुन जाट मुख्तियार मंसूरी केलाश माली और अन्य जनो

ने अचानक लोहे के पाइप उस पर हमला बोल दिया। इस दौरान बिच बचाव करने आये लोगों के साथ भी हमलावरों ने मारपीट कर के चोटें पहूचाई।

हमले का मुख्य कारण है -सरदारनगर ग्राम के पास चरागाह भुमि पर अवैध रूप चल मिट्टी और बजरी खनन को लेकर के शिकायतें करना है। विगत भी घायल व्यक्ति के द्वारा कि गई शिकायत के बाद पुलिस द्वारा एक बजरी से भरे ट्रेक्टर पकडा गया था।

इस हमले के आरोप में पुलिस ने 4 आरोपियों को दस्तयाब कर धारा 126 -170 बी एन एस एस में गिरफ़्तार करने के साथ ही मामलें कि जाच जारी है। हमले के बाद फरार आरोपियों करण पिता मोहन जाट (25) अर्जुन पिता मोहन जाट (21) मुख्तियार मंसूरी पिता शकूर मोहम्मद (39) तथा कैलाश पिता जमना लाल माली (35) निवासी सरदारनगर थाना बनेड़ा को गिरफ्तार किया है।

स्वाभिमान बचाओ आंदोलन के तहत सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल | बनेड़ा

पंचायतीराज मंत्रालयिक कर्मचारी संगठन (पंजी.) राजस्थान के तत्वावधान में ब्लॉक शाखा द्वारा अपनी विभिन्न मार्गो को लेकर के सोमवार को स्वाभिमान बचाओ आंदोलन के तहत विकास अधिकारी गणेश नारायण शर्मा को ज्ञापन सौंपा । ज्ञापन के दौरान ओम प्रकाश कुमावत, विजेंद्र सिंह, नारायण लाल तेली, अमीष व्यास, प्रहलाद सुथार, महावीर गुर्जर, दलीचंद बैरवा, गोपाल बलाई, गोपाल बैरवा, दिनेश जीनगर, विष्णु सेन, रामलाल

रैगर, माया जाट, रामकुमार जाट, लालाराम नायक, किशन पूरी, रोशन बैरवा, राकेश सेन, सुखदेव सिंह, इस्लाम मोहम्मद, कमलेश सोनी, पूरण छिपा आदि मंत्रालयिक कर्मचारी उपस्थित रहे।

ये है बाबुओ की मुख्य मांगें

- सम्पूर्ण उत्तराखण्ड पैटर्न लागू करवाना। कार्मिक विभाग के नॉर्म्स के मुताबिक सम्पूर्ण केडर रिव्यू करवाना। वित्त विभाग के नॉर्न्स के मुताबिक ग्राम पंचायत स्तर पर त्रिस्तरीय व्यवस्था (मेकर चेकर अप्रूवर) लागू करना। पटवारी, कृषि पर्यवेक्षक की तर्ज पर अतिरिक्त प्रभार व हार्ड ड्यूटी अलाउंस। एक ही भर्ती में देरी से भर्ती किये गए कार्मिको को नोशनल परिलाभ देना। अंतरजिला स्थानांतरण करवाना। कनिष्ठ लिपिक भर्ती 2013 में फर्जी प्रकरण की जांच विरोधी केडर से नही करवाकर तृतीय पक्ष से निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करना।

मुकुल पंचोली बने गंगापुर तहसील अध्यक्ष

स्मार्ट हलचल

गंगापुर। अखिल भारतीय सर्व ब्राह्मण महासभा द्वारा संगठन विस्तार के तहत गंगापुर तहसील अध्यक्ष पद पर मुकुल पंचोली की नियुक्ति की गई है। उनकी सामाजिक सक्रियता, व्यापक सोच एवं संगठनात्मक कार्यक्षमता को देखते हुए यह जिम्मेदारी सौंपी गई है।

महासभा के भीलवाड़ा जिला उपाध्यक्ष जुगनू तिवाड़ी ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष मनोज शर्मा (गोटे वाला) की अनुमति एवं प्रदेश महामंत्री बृजेश पारीक की अनुशंसा पर मुकुल पंचोली को गंगापुर तहसील अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री बृजेश पारीक ने युवाओं को संबोधित करते हुए उनमें जोश और उत्साह का संचार किया। उन्होंने कहा कि युवाओं को सही दिशा और मार्गदर्शन प्रदान करना संगठन की प्राथमिकता है। उन्होंने युवाओं से अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मेहनत, अनुशासन और समर्पण के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया।

पारीक ने संगठन की रीति-नीति का पालन करते हुए समाजहित एवं सामाजिक एकता के लिए कार्य करने तथा भीलवाड़ा जिले में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के निर्देश भी दिए।

कार्यक्रम में प्रदेश संरक्षक श्याम सुंदर त्रिपाठी, कला व्यास, प्रेमशंकर व्यास, रेखा पंचोली, सुरेश पंचोली, ओमप्रकाश उपाध्याय, राहुल तिवारी, दीपक तिवारी सहित कार्यक्रम प्रभारी प्रवीण शर्मा, बिट्टूजीत शर्मा, शम्भु पारीक, पुखराज जोशी, ऋषि शर्मा, श्याम सुंदर व्यास एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। नियुक्ति पर समाजजनों एवं संगठन पदाधिकारियों ने मुकुल पंचोली को शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

पीएम श्री राबाउमावि बापू नगर में अभिरुचि शिविर एवं समाज सेवा शिविर का भव्य समापन, बालिकाओं ने दिखाई रचनात्मक प्रतिभा

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

पीएम श्री राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, बापू नगर में दिनांक 17 मई से 31 मई 2026 तक कक्षा 6 से 8 की बालिकाओं के लिए 15 दिवसीय 'अभिरुचि शिविर' का सफल आयोजन किया गया। शिविर का समापन शनिवार 31 मई को बालिकाओं द्वारा निर्मित सामग्री की भव्य प्रदर्शनी के साथ हुआ।

प्रधानाचार्य श्रीमती सुनीता नानकानी ने बताया कि शिविर प्रभारी संजू शर्मा तथा दक्ष प्रशिक्षक मंजू शर्मा,सुरेश माली तथा कोमल स्वर्णकार के मार्गदर्शन में बालिकाओं ने खेल-कूद, योग, क्रिएटिव सामग्री निर्माण, पर्सनैलिटी डेवलपमेंट, कला-कौशल सहित अनेक जीवनोपयोगी

गतिविधियों का प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस दौरान छात्राओं ने वेस्ट मटेरियल से सजावटी वस्तुएं, पेंटिंग, हैंडीक्राफ्ट, ग्रीटिंग कार्ड आदि आकर्षक सामग्री तैयार की।

शिविर के दौरान एडीपीसी डा. कल्पना शर्मा , मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी रामेश्वर जीनगर तथा निवर्तमान पार्षद लव कुमार जोशी ने विद्यालय पहुंचकर शिविर का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बालिकाओं द्वारा बनाए गए उत्पादों की सराहना की तथा शिविर को बालिकाओं के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।

समापन अवसर पर संस्था प्रधान श्रीमती सुनीता नानकानी ने कहा कि 'यह शिविर बेटियों में आत्मविश्वास और रचनात्मकता बढ़ाने में मील का पत्थर साबित हुआ है। उन्होंने शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली बालिकाओं को प्रोत्साहित किया।

इसके साथ ही इसी अवधि में विभागीय नियमानुसार 11वी उत्तीर्ण तथा 12वीं में अध्यनरत छात्राओं के लिए समाज सेवा शिविर भी आयोजित हुआ। छात्राओं ने शिविर प्रभारी लक्ष्मी शर्मा और सुनीता जोशी के नेतृत्व में छात्राओं ने विद्यालय तथा सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता अभियान, नुक्कड़ नाटक, जल संरक्षण रैली, पेड़ पौधों का रखरखाव एवं अनेक रचनात्मक वस्तुओं का निर्माण भी किया ।

कार्यक्रम के अंतिम दिन विद्यालय परिसर में छात्राओं द्वारा तैयार की गई सामग्री की प्रदर्शनी लगाई गई, जिसे अभिभावकों एवं आगंतुकों ने खूब सराहा।

शिविर में सभी बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

रक्तदान शिविर में युवाओं ने किया 759 यूनिट रक्तदान

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

गंगा फाउण्डेशन चैरिटेबल ट्रस्ट भीलवाड़ा द्वारा विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ भीषण गर्मी में रक्त की कमी को दूर करने के लिए पीड़ित मानवता की सेवा में वैश्विक माता पिता दिवस पर माता पिता के सम्मान में गंगा फाउण्डेशन चैरिटेबल ट्रस्ट भीलवाड़ा और जयपाल सिंह राणावत(बांसड़ा) द्वारा विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ । शिवर में भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ द्वारा दीप प्रजलित कर रक्त दान शिविर की शुरुआत की युवाओं ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। 559 युनिट रक्त एकत्रित हुआ। बासड़ा निवासी जयपाल सिंह राणावत बताया की लोगों को ज्यादा से ज्यादा रक्तदान करना चाहिए क्योंकि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं होता है। लोगों द्वारा रक्त दान करने से दिल की सेहत में सुधार, दिल की बीमारियों और स्ट्रोक के खतरे को कम माना जाता है। खून में आयरन की ज्यादा मात्रा दिल के दौरे के खतरे को बढ़ा सकती है। नियमित रूप से रक्तदान करने से आयरन की अतिरिक्त मात्रा नियंत्रित हो जाती है। जो दिल की सेहत के लिए अच्छी है।

बरूंदनी में माहेश्वरी समाज की महिलाओं ने निकाली भव्य शोभायात्रा

पारंपरिक परिधानों में सजी राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र की महिलाओं ने बिखेरी संस्कृति की छटा; भजनों पर झूमा कस्बा, सामूहिक महाप्रसादी का हुआ आयोजन

स्मार्ट हलचल

आकोला। माहेश्वरी समाज की ओर से निकटवर्ती बरूंदनी कस्बे में आयोजित वृहद धार्मिक कार्यक्रम के तहत समाज की महिलाओं, बहुओं एवं बहन-बेटियों द्वारा एक भव्य व ऐतिहासिक शोभायात्रा निकाली गई। इस भव्य शोभायात्रा में स्थानीय क्षेत्र सहित राजस्थान, गुजरात एवं महाराष्ट्र सहित देश के विभिन्न राज्यों से आई माहेश्वरी समाज की महिला श्रद्धालुओं ने अत्यंत उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया। पारंपरिक परिधानों में सजी-धजी महिलाओं ने हाथों में धर्म ध्वजा लिए मंगल भजनों, सुमधुर कीर्तन और गगनभेदी जयकारों के साथ पूरे नगर को धर्ममय वातावरण से सराबोर कर दिया।

चारभुजा नाथ और चामुंडा माता के दरबार में मांगी सुख-समृद्धि:

नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए यह भव्य शोभायात्रा प्रसिद्ध चारभुजा नाथ मंदिर एवं मां चामुंडा माता के मंदिर पहुंची। यहाँ मंदिर परिसरों

में श्रद्धालुओं और मातृशक्ति ने एकत्रित होकर भगवान चारभुजा नाथ व मां चामुंडा के चरणों में शीश नवाया और विधि-विधान से विशेष पूजा-अर्चना व महाआरती की। इस दौरान समाजजनों ने समाज की एकजुटता, देश की उन्नति और अपने-अपने परिवारों की सुख-समृद्धि व खुशहाली की कामना की।

वरिष्ठजनों की रही गरिमामयी उपस्थिति, हुआ महाप्रसादी का आयोजन:

धार्मिक अनुष्ठानों और पूजा-अर्चना के संपन्न होने के बाद समाज की ओर से भव्य सामूहिक भोज (महाप्रसादी) एवं दान-पुण्य के विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्रभर से आए हजारों की संख्या में समाजजन शामिल हुए। कार्यक्रम में बरूंदनी गांव सहित बाहर से आए अनेक गणमान्य नागरिकों, माहेश्वरी समाज के राष्ट्रीय व प्रांतीय स्तर के वरिष्ठजनों एवं अतिथियों की विशेष उपस्थिति रही। प्रबुद्धजनों ने इस भव्य आयोजन की भूरि-भूरि सराहना करते हुए इसे समाज की एकता, समृद्ध संस्कृति और धार्मिक परंपराओं को मजबूत करने वाला एक अनूठा आयोजन बताया। पूरे महोत्सव के दौरान श्रद्धा, अलौकिक उत्साह और आपसी भाईचारे का अद्भुत माहौल बना रहा।

सवाईपुर क्षेत्र में तूफान व बारिश ने मचाई तबाही, बलियाखेड़ा में लाखों का नुकसान, बड़ला में गिरे ओले

स्मार्ट हलचल

सवाईपुर। सवाईपुर क्षेत्र के बलिया खेड़ा गांव में रविवार दोपहर बाद चले तेज तूफान ने गांव में जमकर उत्पाद मचाते हुए तबाही छोड़ गया, यहां तूफान की चपेट में जो भी आया वह ताश के पत्तों की तरह बिखर गया, गांव में कई जगह लगे टीनशैड हवा में उछलकर दूर जाकर गिरे तो कई जगहों पर दीवारें धराशाई हो गई, जिसके नीचे दबाने से करीब आधा दर्जन मवेशियों की मौत हो गई, तो एक दर्जन से अधिक मवेशी घायल हो गए । वही पेड़ पौधे भी टूट कर गिर गए, जिस गांव में आने जाने के रास्ते बंद हो गए, इस तूफान ने गांव में जमकर तबाही मचाते हुए ग्रामीणों को लाखों रुपए का नुकसान पहुंचा है । तूफान के चलते कई जगह विद्युत पोल व ट्रांसफार्मर धराशाई हो गए, जिसके चलते गांव में विद्युत आपूर्ति बंद हो गई । गांव में हुए भारी नुकसान के चलते परिवार के सदस्यों का रो-रो कर बुरा हाल हो रहा है । ग्रामीणों ने प्रशासन से उचित मुआवजा दिलाने की मांग की । सवाईपुर कस्बे सहित सोपुरा जाटों का, सालरिया, ढ़ेलाणा, बड़ला, बनकाखेड़ा, चावंडिया, ककरोलिया माफी, रेड़वास, गोठड़ा, बलिया खेड़ा, कुड़ी, बोरखेड़ा, बोर्डियास, खजीना, खरेड़, पिथास, सोलंकिया का खेड़ा, कांदा आदि कई गांवों में सोमवार दोपहर करीब 3 बजे मौसम ने अचानक करवट बदली और आसमान में काली घटाएं छा गई, देखते ही देखते करीब 4 बजे के आसपास तेज रफ्तार से आंधी का दौर शुरू हुआ, जो तकरीबन 10 से 15 मिनट तक चली, तेज आंधी के साथ ही बारिश का दौर शुरू हुआ, क्षेत्र के गांवों में झमाझम बारिश का दौर चलने से सड़कों पर पानी बहने लगा । वही बड़ला गांव में छोटे बैर के आकार के ओले तीन-चार मिनट तक गिरे । सोपुरा गांव में भी गोवर्धन नायक व संजय नायक के मकान पर लगे सीमेंट के चद्दर उड़ गए । तेज आंधी के चलने से दुकानों के बाहर लगे होर्डिंग व बोर्ड दूर जाकर गिरे, कई जगहों पेड़ धराशाई हो गए । तेज आंधी के साथ की क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति बंद हो गई । इस बारिश से कपास की फसल को फायदा जरुर मिलेगा । आमजन को तेज गर्मी व उमस से राहत मिली।

सीबीईओ नागर को भावभीनी विदाई

मांडल उपखंड से सेवानिवृत्त हुए अधिकारी, सेवाकाल की सराहना

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

जिले के मांडल उपखंड में कार्यरत सीबीईओ सत्यनारायण नागर के सेवानिवृत्ति अवसर पर भावभीना विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर ग्रामीणों, शिक्षा विभाग के आला अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने उनका जोरदार स्वागत कर सम्मान व्यक्त किया। समारोह में उपस्थित सभी लोगों ने नागर के सेवाकाल को याद करते हुए उनके कार्यों की सराहना की।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि नागर ने अपने कार्यकाल में शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया। उन्होंने विद्यालयों में शैक्षणिक वातावरण सुधारने, विद्यार्थियों की उपस्थिति बढ़ाने तथा विभिन्न शैक्षिक योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके प्रयासों से क्षेत्र में शिक्षा के स्तर में सकारात्मक बदलाव देखने को मिला।

ग्रामीणों ने भी नागर के सरल स्वभाव और सहयोगी कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा आमजन की समस्याओं को प्राथमिकता से सुना और समाधान के लिए तत्पर रहे। शिक्षा विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें एक प्रेरणास्त्रोत बताते हुए उनके अनुभवों को विभाग के लिए अमूल्य बताया।

समारोह के अंत में नागर का साफा व माला पहनाकर अभिनंदन किया गया तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। अपने संबोधन में नागर ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ करने का प्रयास किया है और आगे भी समाज के लिए सक्रिय रहेंगे।

समदानी परिवार ग्रुप मेड़ता सीटी स्थित फलोदी माताजी के महाभोग लगाएगा

समदानी परिवारो का वार्षिक स्नेह मिलन समारोह संपन्न

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

माहेश्वरी परिवारों की 72 खापों में अधिक प्रचलित खाप समदानी मेवाड़ में ज्यादा रहते हैं समदानी परिवार ग्रुप की ओर से आज टयूलिप होटल में वार्षिक सम्मेलन एवं स्नेहमिलन समारोह आयोजित किया गया जिसमें यह निर्णय लिया गया कि सभी समदानी परिवारजन 26 जुलाई रविवार को फलोदी माता(ब्रह्माणी देवी)मेड़ता सिटी रोड स्थित अपनी कुलदेवी के पोशाक चढ़ाकर महाभोग लगाएगा।

मीडिया प्रभारी महावीर समदानी ने जानकारी देते हुए बताया कि फलोदी माताजी समदानी परिवार सहित हेड़ा। जाजू धूपड़, खठोड। कयाल। मालानी, गांधी,लोशल्या,टवानी 10 खापों गोत्रो की कुलदेवी है कुलदेवी के आयोजन में मान्यता है कि अखंड ज्योत के साथ गोत्र के अनुसार पूजा अर्चना परंपरा का पालन किया जाएगा कुलदेवी वंश, परंपरा उनकी समृद्धि और आध्यात्मिक सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है वार्षिक समारोह के अवसर पर उदयलाल समदानी। प्रेम चंद्र समदानी, राकेश समदानी, राजेश समदानी, रमेश समदानी। जगदीश समदानी, सुधीर समदानी, कैलाश, सुरेश सुभाष। राजकुमार, संजय, महावीर, मुकेश, लोकेश, अमित, प्रशांत, संदीप, देवेश राघव। राहुल, रोहित, निखिल, अभिनव, रोहान, नंदन समदानी परिवार सहित उपस्थित थे।

गंगापुर में पूर्व अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट दीप्ति स्वामी को दी विदाई

स्मार्ट हलचल

गंगापुर। अभिभाषक संघ गंगापुर द्वारा पूर्व अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट दीप्ति स्वामी को ससम्मान भावभीनी विदाई दी गई।

विदाई समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अपर जिला न्यायिक मजिस्ट्रेट अनिता टेलर, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अमित दवे तथा उपखंड अधिकारी विवेक गुर्जर उपस्थित रहे। समारोह को संबोधित करते हुए अभिभाषक संघ के अध्यक्ष अरविंद चौधरी ने कहा कि दीप्ति स्वामी ने अपने कार्यकाल में न्याय की निष्पक्षता, शालीनता और व्यावसायिकता का परिचय देते हुए गंगापुर न्यायालय में अपनी एक अलग पहचान बनाई। उन्होंने कहा, 'महिला न्यायाधीश के रूप में उन्होंने न केवल कानून की गरिमा को बनाए रखा बल्कि आमजन को भी न्याय की आस दिलाई।'

समारोह में वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने दीप्ति स्वामी के कुशल न्याय प्रशासन और विनम्र स्वभाव की सराहना की। जिसमें विष्णु कुमार सुवालका, अपर लोक अभियोजक दिनेश बापना, सुनिल जैन पोटला, तख्तसिंह, ललित सुराणा, विद्या गोस्वामी,दिव्या सोनी,कुलदीप शर्मा,मदन लाल जीनगर, आनन्दपाल सिंह,अरविन्द त्रिपाठी,दिनेश श्रोत्रिय सचिन मोगरा,सलीम अंसारी ने उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

विदाई समारोह में अभिभाषकों ने उन्हें स्मृति चिन्ह, शाल-श्रीफल और पुष्प गुच्छ प्रदान कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम का संचालन अधिवक्ता जगदीश बुलीवाल द्वारा किया गया। समारोह में बड़ी संख्या में अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

महंगाई,पेयजल संकट और कानून व्यवस्था को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन

केंद्र व राज्य सरकार के खिलाफ रैली निकालकर राष्ट्रपति के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल

टोंक/उनियारा। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी एवं टोंक-सवाई माधोपुर सांसद हरीश चन्द्र मीणा के निर्देशानुसार सोमवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बढ़ती महंगाई, पेट्रोल-डीजल एवं रसोई गैस की बढ़ती कीमतों, क्षेत्र में गहराते पेयजल संकट, बिगड़ती कानून व्यवस्था तथा पेपर लीक जैसी घटनाओं के विरोध में केंद्र एवं राज्य की भाजपा सरकार के खिलाफ रैली निकालकर प्रदर्शन किया।

कांग्रेस कमेटी उनियारा ब्लॉक अध्यक्ष प्रकाश चंद्र धाकड़ के नेतृत्व में आयोजित इस प्रदर्शन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रैली निकालकर अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद की। प्रदर्शन के बाद महामहिम राष्ट्रपति महोदया के नाम संबोधित ज्ञापन उपखंड अधिकारी उनियारा को सौंपा गया। ज्ञापन में महंगाई पर नियंत्रण, आमजन को राहत प्रदान करने, क्षेत्र में पेयजल संकट का स्थायी समाधान करने, कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने तथा पेपर लीक जैसी घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने की मांग की गई। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि इन समस्याओं के कारण आम जनता, किसान, युवा और छात्र वर्ग गंभीर परेशानियों का सामना कर रहा है। इस अवसर पर राधेश्याम मेरोठा, बीरबल मीणा, धर्मराज चतरपुरा, फोरूलाल सीआर, यशकरण सैनी, चेतन पटवा, गुलाबचंद मीणा, नरेश गुर्जर, जगदीश बैरवा, हरीश मीणा, हनुमान मीणा, आशाराम, मोहन पागड़ी, महेंद्र मीणा, इमरान, अमान खान, तस्लीम खान, श्रीराम गोयल, अनिस खान, हमीद खान सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

संभाग के शिक्षा विभाग के लेखाकर्मियों का प्रशिक्षण सम्पन्न

स्मार्ट हलचल | उदयपुर

वित्त विभाग के निर्देशों की अनुपालना में शिक्षा विभाग में कार्यरत कार्मिकों के पुनरीक्षित वेतनमान पदोन्नति चयनित वेतनमान एसीपी एमएसपी आदि के अंतर्गत किए हुए वेतन निर्धारण की सेवा अभिलेख से गहन जांच हेतु संयुक्त निदेशक (स्कूल शिक्षा) कार्यालय की ओर से लेखाकर्मिकों को आज सोमवार को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया।

संयुक्त निदेशक (स्कूल शिक्षा) गोपाल प्रसाद मीणा के अनुसार उदयपुर संभाग के शिक्षा विभाग के विभिन्न कार्यालयों एवं विद्यालयों में कार्यरत समस्त कार्मिकों के सेवा अभिलेखों की जांच का कार्य आगामी 10 जुलाई तक पूर्ण किया जाना है इसके मद्देनजर सोमवार को उदयपुर डाइट स्थित गांधी सभागार में उदयपुर डूंगरपुर बांसवाड़ा चित्तौड़गढ़ सलूंबर राजसमंद तथा प्रतापगढ़ जिलों के सीडीईओ, डीईओ माध्यमिक एवं प्रारंभिक,सीबीईओ,एडीपीसी तथा डाइट कार्यालय के 120 लेखा कार्मिकों को यह प्रशिक्षण दिया गया।

इस अवसर पर अपने अध्यक्षीय उदबोधन में संयुक्त निदेशक ने कहा की सेवा पुस्तिकाओं में वेतन निर्धारण की सत्यता सुनिश्चित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है जिससे कार्मिकों के वित्तीय एवं सेवा संबंधी हितों का संरक्षण हो सके उन्होंने संभागियों से प्रशिक्षण में प्राप्त जानकारी का प्रभावी उपयोग अपने-अपने कार्यालय में करने का आह्वान भी किया।

प्रशिक्षण की संचालक एवं सहायक लेखा अधिकारी द्वितीय सुश्री महक सनाढ्य के अनुसार कार्यक्रम के दौरान सेवा अभिलेख की जांच के दौरान तय मानक बिंदुओं पर विषय विशेषज्ञों से चर्चा की गई इस दौरान सहायक संयुक्त निदेशक कार्यालय उदयपुर से सहायक लेखा अधिकारी प्रथम वीरेंद्र चौबीसा, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक मुख्यालय से सहायक लेखा अधिकारी अंकुर गर्ग तथा पेंशन समाज कल्याण विभाग से सेवानिवृत अधिकारी प्रकाश चंद्र कटारिया ने संभागियों से विषयगत जानकारी साझा की।

इस अवसर पर संभागियो की जिज्ञासाओं को शांत करने के लिए प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन भी किया गया कार्यक्रम का संचालन सहायक लेखाधिकारी सुश्री महक सनाढ्य द्वारा किया गया।

वंदे गंगा जल अभियान के तहत प्राचीन बावड़ी की पूजा

बेगूं। वंदे गंगा जल अभियान के तहत नगर के नीलकंठ महादेव मंदिर के सामने स्थित प्राचीन बावड़ी का प्रशासनिक अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा सफाई कर पूजा अर्चना की गई।

नगर पालिका अधिशाषी अधिकारी विष्णु यादव ने बताया राज्य सरकार के द्वारा चलाए जा रहे हैं जल संरक्षण अभियान के तहत नगर के नीलकंठ महादेव मंदिर के पास स्थित प्राचीन बावड़ी में प्रशासनिक अधिकारियों, जन प्रतिनिधियों के द्वारा श्रमदान कर सफाई की गई। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी एवं नगर पालिका प्रशासक अंकित सामरिया विद्वान पंडितों के मंत्रोच्चारण के साथ बावड़ी की पूजा अर्चना कर दीपदान किया तथा मौके पर उपस्थित प्रशासनिक अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों को स्वच्छता रखने एवं पर्यावरण प्रेमियों को पौधरोपण करने की शपथ दिलाकर सहभागिता प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

पदोन्नति तिथि अंकन प्रकरण प्रधानाचार्यो के साथ अन्याय

चित्तौड़गढ़। राजस्थान शिक्षा सेवा परिषद (प्रधानाचार्य) के बैनर तले व्याख्याता से प्रधानाचार्य बने प्रधानाचार्यों ने पदोन्नति में तिथि अंकन संबंधी विसंगतियों के समाधान एवं न्यायोचित तिथि अंकन की मांग को लेकर जिला अध्यक्ष दिलीप कुमार जैन के नेतृत्व में सांसद सीपी जोशी, विधायक चंद्रभान सिंह आक्या तथा जिला कलक्टर डॉ. मंजू को ज्ञापन सौंपा।

विधायक चंद्रभान सिंह आक्या ने प्रधानाचार्यो की वाजिब मांग पर तुरंत ही माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट से फोन पर वार्ता कर चयन तिथि अंकित करने का आग्रह किया तथा शिक्षा मंत्री एवं शिक्षा सचिव को भी मेल के जरिए प्रेषित किया। ज्ञापन में जिला मंत्री भगवान लाल सुधार ने बताया गया कि तिथि अंकन नहीं होने से 2015-16 से 2019-20 के अनेक प्रधानाचार्य वरिष्ठता एवं सेवा लाभों से वंचित हो रहे हैं, जिससे उनमें व्यापक असंतोष उपज रहा है। सांसद सीपी जोशी ने प्रधानाचार्यो की मांगों को गंभीरता से लेते हुए उचित स्तर पर विचार-विमर्श कर समाधान का आश्वासन दिया।इस अवसर पर परिषद के संरक्षक आनंद कुमार दीक्षित, संगठन मंत्री श्रीमती विनोद राठी, जिला सभाध्यक्षक भेरू लाल वीरवाल, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष राजकुमार तोलंबिया, महिला मंत्री श्रीमती अनुराधा आर्य, अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी शंभूलाल सोमानी, डॉ. कनक जैन आदि सहित बड़ी संख्या में प्रधानाचार्य एवं पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी उपस्थित रहे।

यात्रियों को पिलाया शीतल जल

निम्बाहेड़ा। प्रचंड गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान के बीच आमजन एवं रेल यात्रियों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से भारत विकास परिषद की स्थानीय शाखा द्वारा रेलवे स्टेशन परिसर में संचालित शीतल पेयजल सेवा के अंतर्गत सोमवार को रेल यात्रियों को शीतल जल उपलब्ध कराया। रेलवे स्टेशन पर सोमवार दोपहर आयोजित इस सेवा कार्यक्रम में उद्योगपति पूरण आंजना एवं पूर्व पालिकाध्यक्ष सुभाष चन्द्र शारदा ने भारत विकास परिषद के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ श्रमदान करते हुए रेलवे स्टेशन पर आने-जाने वाले यात्रियों को शीतल पेयजल वितरित किया। भारत विकास परिषद के पदाधिकारियों ने बताया कि परिषद द्वारा प्रत्येक वर्ष ग्रीष्मकालीन मौसम में रेलवे स्टेशन सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर शीतल पेयजल सेवा संचालित की जाती है।

जल संकट आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे बड़ी चुनौती, अभियान की सफलता हमारी नैतिक जिम्मेदारी: ऊर्जा मंत्री नागर

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने किया विभिन्न गांवों का दौरा; 'वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान' को सफल बनाने का किया आह्वान

स्मार्ट हलचल

सांगोद। 1 मई सांगोद ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने क्षेत्र के विकास और पर्यावरण संरक्षण को गति देते हुए ग्राम मण्डीता, कुन्दनपुर, विनोदखुर्द और मण्डाप का सघन दौरा किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से सीधा संवाद किया और क्षेत्र में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों का जायजा लिया। ऊर्जा मंत्री ने 'वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान' पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि जल संकट आने वाली पीढ़ियों के लिए सबसे बड़ी चुनौती है, इसलिए इस अभियान की सफलता हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। यह आभियान हमारी आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए बेहद जरूरी है।

दौरे के दौरान ऊर्जा मंत्री ने आमजन और कार्यकर्ताओं में नया जोश फूंकते हुए आह्वान किया कि सभी कार्यकर्ता गांव-गांव जाएं और इस जल संरक्षण अभियान से जुड़कर श्रमदान करें। इसके साथ ही उन्होंने मौके पर मौजूद प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिए कि सभी अधिकारी-कार्मिक पूरे मन और पूर्ण निष्ठा से इस अभियान को सफल बनाने में जुट जाएं। कार्य में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अपने ग्रामीण दौरे के समय ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने गांवों के खेतों के रास्तों के निर्माण कार्यो का भौतिक निरीक्षण भी किया। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण सड़क और रास्ते निर्माण के निर्देश दिए ताकि ग्रामीणों को आवागमन में कोई असुविधा न हो। इसके पश्चात, उन्होंने विभिन्न स्थानों पर जनसुनवाई की, जहां ग्रामीणों ने विभिन्न समस्याओं को उनके सामने रखा। मंत्री ने मौके पर ही अधिकारियों को जनसमस्याओं के त्वरित और स्थाई निस्तारण के आदेश दिए। जिससे ग्रामीणों को जल्द से जल्द राहत मिल सके।

भीषण गर्मी में मानव सेवा का अनुकरणीय उदाहरण : भारत विकास परिषद की शीतल पेयजल सेवा में आंजना एवं शारदा ने निभाई सेवाभावी सहभागिता

स्मार्ट हलचल | निंबाहेड़ा

प्रचंड गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान के बीच आमजन एवं रेल यात्रियों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से भारत विकास परिषद, शाखा निंबाहेड़ा द्वारा रेलवे स्टेशन परिसर में संचालित शीतल पेयजल सेवा के अंतर्गत सोमवार को विशेष सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। मानवता, परोपकार एवं जनसेवा की भावना से ओतप्रोत इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े गणमान्य नागरिकों एवं समाजसेवियों ने सहभागिता निभाते हुए यात्रियों को शीतल जल उपलब्ध कराया। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर रेलवे स्टेशन स्थित शीतल पेयजल सेवा केंद्र पर पहुंचे चित्तौड़गढ़ जिला फुटबॉल संघ के अध्यक्ष एवं युवा उद्योगपति पूरण आंजना तथा निंबाहेड़ा नगर पालिका के निवर्तमान अध्यक्ष सुभाष चन्द्र शारदा का भारत विकास परिषद के पदाधिकारियों द्वारा उपर्णा ओढ़ाकर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। परिषद पदाधिकारियों ने अतिथियों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए सेवा कार्यों में उनके सहयोग की सराहना की।

सोमवार दोपहर 12:15 बजे आयोजित इस सेवा कार्यक्रम में पूरण आंजना एवं सुभाष चन्द्र शारदा ने भारत विकास परिषद के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ श्रमदान करते हुए रेलवे स्टेशन पर आने-जाने वाले यात्रियों को अपने हाथों से शीतल पेयजल वितरित किया। भीषण गर्मी में यात्रियों को राहत पहुंचाने के इस सेवा कार्य को उपस्थित लोगों ने मानवता का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। कार्यक्रम के दौरान नगर कांग्रेस कमेटी के संगठन महासचिव रविप्रकाश सोनी एवं महासचिव जावेद खान ने भी अपनी सक्रिय सहभागिता निभाई तथा परिषद के सेवा अभियान की प्रशंसा करते हुए कहा कि सामाजिक संगठनों के ऐसे जनहितकारी प्रयास समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं।

भारत विकास परिषद के पदाधिकारियों ने बताया कि परिषद द्वारा प्रत्येक वर्ष ग्रीष्मकालीन मौसम में रेलवे स्टेशन सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर शीतल पेयजल सेवा संचालित की जाती है। अभियान का उद्देश्य गर्मी से परेशान यात्रियों, श्रमिकों एवं आमजन को राहत पहुंचाना तथा सेवा संस्कार को जन-जन तक पहुंचाना है। परिषद का यह सेवा अभियान आगामी दिनों में भी निरंतर जारी रहेगा। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी सदस्यों ने भारत विकास परिषद के मूल मंत्र 'सेवा, संस्कार एवं समर्पण' को आत्मसात करते हुए समाजहित में निरंतर कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया।

इस अवसर पर भारत विकास परिषद के अध्यक्ष उमेश तोतला, जिला समन्वयक दिलीप सिंह, सचिव श्यामलाल आमेटा, अरविंद मूंदड़ा, अरविंद खंडेलवाल, विजय बैरवा, शिवलाल पलोड, कैलाश कालिया, जगदीश बांगड़, भोपाल सिंह बोड़ाना, उमेश सोनी, कन्हैयालाल सोनी, उमेश बसेड़, अनीता सोनी, हनुमान प्रसाद, मनीष सोनी, नंदकिशोर सोनी, अंगूरबाला सहित परिषद के अनेक पदाधिकारी, सदस्य एवं समाजसेवी उपस्थित रहे। उपस्थित सभी लोगों ने इस प्रकार के जनकल्याणकारी अभियानों को निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

सावर में गरजा प्रशासन का बुलडोजर: 120 प्लॉटों की अवैध कॉलोनी मलबे में तब्दील

करोड़ों के खेल पर उठे बड़े सवाल, तहसील के नाक के नीचे कट गई पूरी कॉलोनी, नगरपालिका की जमीन पर चला करोड़ों का खेल, गरीबों की जिंदगी भर की कमाई फंसी, अब जिम्मेदार कौन

स्मार्ट हलचल

सावर(अजमेर)। सावर नगरपालिका क्षेत्र में सोमवार का दिन उस समय सुर्खियों में आ गया जब चौसला कॉलोनी के पास विकसित की जा रही एक कथित अवैध कॉलोनी पर प्रशासन का पीला पंजा गरज उठा। चार जेसीबी मशीनों की गर्जना के बीच देखते ही देखते करीब 120 प्लॉटों के लिए बनाई गई चारदीवारी धूल के गुबार में बदल गई। भारी पुलिस जाप्ते की मौजूदगी में चली इस कार्रवाई ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी और मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई।

प्रशासन की इस कार्रवाई ने जहां अवैध कब्जाधारियों और प्लॉटिंग करने वालों में हड़कंप मचा दिया, वहीं दूसरी ओर करोड़ों रुपये के इस पूरे खेल को लेकर कई गंभीर सवाल भी खड़े कर दिए हैं। लोगों की जुबान पर एक ही चर्चा है कि आखिर इतनी बड़ी कॉलोनी प्रशासन और तहसील कार्यालय की आंखों के सामने कैसे विकसित हो गई

नगरपालिका की जमीन पर 120 प्लॉट, करोड़ों का कारोबार और अब मलबा

स्थानीय लोगों के अनुसार जिस भूमि पर कॉलोनी विकसित की जा रही थी, वह नगरपालिका की भूमि बताई जा रही है। आरोप है कि इसी भूमि पर करीब 120 प्लॉट काटे गए और धीरे-धीरे लोगों को बेचे गए। क्षेत्र में चर्चा है कि प्रत्येक प्लॉट की कीमत 5 से 6 लाख रुपये तक वसूली गई। यदि इन आंकड़ों को आधार माना जाए तो यह पूरा खेल 7 करोड़ रुपये से अधिक का बैठता है। ग्रामीणों का कहना है कि जमीन पर पहले चारदीवारी बनाई गई, फिर प्लॉटिंग हुई और बाद में भूखंडों की खरीद-फरोख्त शुरू हुई। कई परिवारों ने अपनी जीवनभर की जमा पूंजी लगाकर यहां प्लॉट खरीदे। कुछ लोगों ने कर्ज लेकर और जेवर गिरवी रखकर भी भूखंड लिए, ताकि भविष्य में अपना खुद का आशियाना बना सकें।

हालांकि स्थानीय स्तर पर यह जानकारी भी सामने आई है कि जिस चारदीवारी को प्रशासन ने ध्वस्त किया, उसका निर्माण कथित रूप से भूमि खरीदने वाले व्यक्ति द्वारा कराया गया था। लेकिन सवाल यह है कि यदि जमीन नगरपालिका की थी तो वहां इस प्रकार की गतिविधियां आखिर कैसे संचालित होती रहीं?

सोमवार को जब बुलडोजर चला तो उन लोगों के सपने भी मलबे में तब्दील होते नजर आए जिन्होंने इस जमीन पर अपने भविष्य की नींव रखने का सपना देखा था।

सबसे बड़ा सवाल—जब कॉलोनी कट रही थी तब प्रशासन कहां था

कार्रवाई के बाद सबसे बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि यदि कॉलोनी अवैध थी तो इसे बनने क्यों दिया गया? ग्रामीणों का कहना है कि एक-दो दिन में 120 प्लॉटों की कॉलोनी तैयार नहीं होती। महीनों तक चारदीवारी, रास्तों और प्लॉटिंग का काम चलता रहा। ऐसे में क्या किसी अधिकारी की नजर वहां नहीं पड़ी? क्या किसी विभाग को इसकी जानकारी नहीं थी? या फिर जानकारी होने के बावजूद आंखें मूंद ली गईं क्षेत्र में अब खुलेआम चर्चा है कि इतने बड़े खेल के पीछे आखिर किसका संरक्षण था। लोगों का मानना है कि बिना किसी प्रभावशाली संरक्षण के इतनी बड़ी प्लॉटिंग संभव नहीं हो सकती।

गरीबों की पूंजी का जिम्मेदार कौन

कार्रवाई के बाद सबसे ज्यादा चिंता उन लोगों की है जिन्होंने प्लॉट खरीदने में अपनी मेहनत की कमाई लगा दी। एक ग्रामीण ने सवाल उठाते हुए कहा कि यदि किसी गरीब परिवार ने लाखों रुपये देकर प्लॉट खरीदा है और अब वह जमीन विवादों में घिर गई है, तो उसकी रकम कौन लौटाएगा प्रशासन, प्लॉट बेचने वाले या फिर कोई और लोगों का कहना है कि कार्रवाई करना जरूरी है, लेकिन उन लोगों के साथ न्याय भी होना चाहिए जो कथित तौर पर गुमराह होकर इस कॉलोनी में प्लॉट खरीद बैठे।

पांच थानों का जाप्ता, छावनी में बदला इलाका

कार्रवाई को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। मौके पर केकड़ी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश मील, केकड़ी पुलिस उपाधीक्षक हर्षित शर्मा, सावर तहसीलदार भगवती प्रसाद वैष्णव, सावर थानाधिकारी राधेश्याम चौधरी सहित पांच थानों का भारी पुलिस जाप्ता तैनात रहा।

चार जेसीबी मशीनों की मदद से घंटों तक कार्रवाई चलती रही। पुलिस बल की मौजूदगी के कारण किसी भी प्रकार का विरोध सामने नहीं आया और प्रशासन ने शांतिपूर्वक कार्रवाई को अंजाम दिया।

क्या यह सिर्फ शुरुआत है

ग्रामीणों का कहना है कि सावर नगरपालिका क्षेत्र में आज भी कई स्थानों पर अवैध प्लॉटिंग और अतिक्रमण की शिकायतें हैं। ऐसे में जनता अब केवल एक कॉलोनी पर कार्रवाई से संतुष्ट नहीं है। लोगों की मांग है कि यदि प्रशासन ने अवैध कब्जों के खिलाफ अभियान शुरू किया है तो इसे पूरे नगरपालिका क्षेत्र में समान रूप से चलाया जाए और छोटे-बड़े सभी अतिक्रमणों पर कार्रवाई हो।

जनता पूछ रही—असली दोषियों पर कार्रवाई कब

सोमवार की कार्रवाई के बाद अब जनता की निगाहें अगले कदम पर टिकी हैं। लोग पूछ रहे हैं कि यदि नगरपालिका की भूमि पर प्लॉटिंग कर करोड़ों रुपये का कारोबार हुआ है तो इसके लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ क्या कार्रवाई होगी? क्या केवल दीवारें तोड़ देने से मामला खत्म हो जाएगा या फिर पूरे मामले की गहन जांच होगी?

सावर में फिलहाल एक ही सवाल गूंज रहा है—

'यदि जमीन नगरपालिका की थी तो उस पर प्लॉटिंग कैसे हुई, और यदि कार्रवाई सही है तो करोड़ों रुपये के इस खेल के असली जिम्मेदारों पर कार्रवाई कब होगी '

नगरपालिका की लापरवाही बनी हादसों का कारण

गड्ढों में डाली चिकनी मिट्टी से फिसलकर घायल हुए कई लोग

स्मार्ट हलचल

मेड़ता रोड। मेड़ता रोड कस्बे में सड़कों के गड्ढों की मरम्मत के नाम पर नगरपालिका द्वारा बरती गई लापरवाही अब आमजन के लिए परेशानी और हादसों का कारण बनती जा रही है। नगर के विभिन्न मार्गों पर गड्ढों को भरने के लिए बजरी, सीमेंट या अन्य उपयुक्त

सामग्री की बजाय चिकनी मिट्टी डाल दी गई, जो मामूली बारिश होते ही कीचड़ में बदल गई। इससे सड़कें फिसलनभरी हो गईं और कई बच्चे, बुजुर्ग तथा बाइक सवार दुर्घटनाग्रस्त होकर चोटिल हो गए।स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगरपालिका ने बिना किसी तकनीकी मानक के गड्ढों में केवल मिट्टी डालकर औपचारिकता पूरी कर दी। हाल ही में हुई हल्की बारिश के बाद यह मिट्टी दलदल जैसी बन गई, जिससे पैदल चलना तक मुश्किल हो गया। कई स्थानों पर दोपहिया वाहन चालक संतुलन खो बैठे और सड़क पर गिरकर घायल हो गए। वहीं स्कूल जाने वाले बच्चों और बुजुर्गों को भी फिसलकर चोटें आई हैं। नागरिकों का कहना है कि सड़क मरम्मत का कार्य जनता की सुरक्षा को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए था, लेकिन नगरपालिका की लापरवाही ने समस्या को और गंभीर बना दिया। लोगों ने आरोप लगाया कि जिम्मेदार अधिकारियों ने कार्य की गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया, जिसके चलते आमजन को इसकी कीमत चुकानी पड़ रही है। मामले को गंभीरता से लेते हुए स्थानीय नागरिकों ने नागौर जिला कलेक्टर को लिखित शिकायत भेजकर पूरे मामले की जांच कराने तथा जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में बताया गया है कि यदि समय रहते उचित मरम्मत कार्य नहीं कराया गया तो भविष्य में बड़े हादसे भी हो सकते हैं। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि गड्ढों को वैज्ञानिक तरीके से भरकर सड़कों की तत्काल मरम्मत करवाई जाए, ताकि लोगों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके और दुर्घटनाओं पर रोक लगाई जा सके। फिलहाल नगरपालिका की कार्यशैली को लेकर लोगों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है।

अवैध बजरी परिवहन की रोकथाम, हुई प्रभावी कार्यवाही

अवैध खनिज बजरी रेत से भरे ट्रेक्टर ट्रोली जप्त

स्मार्ट हलचल|बूंदी

जिला पुलिस अधीक्षक अवनीश कुमार शर्मा ने बताया की थानाधिकारी पुलिस थाना करवर के नेतृत्व मे गठित पुलिस टीम द्वारा अवैध खनिज बजरी रेत परिवहन की रोकथाम हेतु प्रभावी कार्यवाही करते हुए अवैध खनिज बजरी रेत से भरे हुए ट्रेक्टर ट्रोली को जप्त करने मे सफलता प्राप्त की है ।

जिला पुलिस अधीक्षक बून्दी द्वारा अवैध खनन / अवैध बजरी परिवहन की रोकथाम कर अवैध बजरी रेत का परिवहन करने वालों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने हेतु सभी थानाधिकारियों को निर्देशित किया गया है । उक्त निर्देशों की पालना मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बून्दी संजय सिंह चम्पावत के मार्गदर्शन एवं नरेन्द्र कुमार नागर वृताधिकारी वृत लाखेरी के सुपरविजन में नरेश कुमार मीणा पु.नि. थानाधिकारी पुलिस थाना करवर के नेतृत्व मे पुलिस टीम का गठन किया गया । दिनांक 01.06. 2026 को दोराने गश्त इन्द्रगढ रोड करवर पर इन्द्रगढ की तरफ से एक ट्रेक्टर महिन्द्रा बिना नम्बरी 575 छ्द्ध मय ट्रोली के आता हुआ नजर आया जिसका चालक पुलिस जीप को दूर से ही देखकर ट्रेक्टर मय ट्राली को खडा कर भाग गया ट्रेक्टर चालक की आसपास काफी तलाश की गई लेकिन ट्रेक्टर चालक नही मिला ट्राली की तलाशी ली तो ट्राली मे भूरी रेत (बजरी) भरी हुई मिली अवैध बजरी खनन कर परिवहन करना धारा 303(2) बी.एन.एस. व 4/21 एम.एम.आर.डी. एक्ट के तहत दण्डनीय अपराध होने से मौके पर ही ट्रेक्टर ट्राली को बतौर वजह सबूत जप्त किया जाकर सुरक्षार्थ थाना परिसर मे खड़ा करवाया गया । थाना हाजा पर धारा 303(2) बी.एन.एस. व 4/21 एम.एम.आर. डी. एक्ट में प्रकरण दर्ज कर ट्रेक्टर चालक की तलाश जारी है।

ऑपरेशन अमानत के तहत 4.28 लाख का सामान यात्रियों को लौटाया

नन्हे फरिश्ते अभियान में 9 बच्चे परिजनों से मिलाए

स्मार्ट हलचल|कोटा

पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल की रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने अप्रैल 2026 के दौरान यात्रियों की सुरक्षा एवं सहायता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करते हुए अपनी मानवीय संवेदनशीलता का परिचय दिया। आरपीएफ द्वारा संचालित विभिन्न जनहितकारी अभियानों के माध्यम से न केवल यात्रियों का खोया हुआ सामान उन्हें वापस दिलाया गया, बल्कि परिजनों से बिछड़े बच्चों को भी सुरक्षित उनके परिवारों तक पहुंचाया गया।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ जैन ने बताया कि अप्रैल माह में संचालित 'ऑपरेशन अमानत' के अंतर्गत 25 मामलों में ट्रेनों एवं रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों द्वारा छूटा हुआ कुल 4,28,835 मूल्य का सामान बरामद कर विधिवत सत्यापन के उपरांत उसके वास्तविक स्वामियों को लौटाया गया। इससे यात्रियों को बड़ी राहत मिली तथा रेलवे के प्रति उनका विश्वास और अधिक मजबूत हुआ।

उन्होंने बताया कि 'ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते' के तहत मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर बिना अभिभावक के मिले 9 बच्चों को आवश्यक कानूनी एवं प्रशासनिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद उनके परिजनों अथवा संबंधित संस्थाओं को सुरक्षित सुपुर्द किया गया। इसके अतिरिक्त 'ऑपरेशन डिग्निटी' के अंतर्गत संकटग्रस्त अवस्था में मिले 3 व्यक्तियों को बचाकर उनके परिजनों एवं अभिभावकों को सौंपा गया।

रेलवे सुरक्षा बल द्वारा संचालित ये अभियान यात्रियों की सुरक्षा, सहायता एवं मानवीय सरोकारों के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं तथा भारतीय रेल की जनसेवा की भावना को सशक्त बनाते हैं।

सांगोद इलेवन द्वितीय क्रिकेट प्रतियोगिता का भव्य समापन, रोमांचक फाइनल में सुकेत टीम बनी चैंपियन

स्मार्ट हलचल

सांगोद। 1 मई को सांगोद कोटा रोड स्थित इदगाह ग्राउंड में आयोजित सांगोद इलेवन द्वितीय क्रिकेट प्रतियोगिता का भव्य एवं शानदार समापन हुआ। इलेवन क्रिकेट प्रतियोगिता के अध्यक्ष मोहम्मद अजहर वह उपाध्यक्ष तारिफ पठान ने बताया कि 10 दिनों से ईदगाह मैदान में चल रही इलेवन क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल सुकेत वह पिड़ावा के बीच खेला गया टॉस जीतकर सुकेत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 12 ओवर। में 113 रन बनाए उसके जवाब में पिड़ावा 85 रन ही बना पाई यह मुकाबला दर्शकों के लिए बेहद रोमांचक और यादगार साबित हुआ,जिसमें सुकेत टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए प्रथम विजेता ट्रॉफी वह 51000 रुपए अपने नाम किए प्रथम पुरस्कार राशि जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज शर्मा के द्वारा दिए गए

एव दितीय ट्रॉफी वह 25000 रुपये पिड़ावा टीम ने जीती द्वितीय पुरस्कार राशि मुज़फ़्फ़र ठेकेदार के द्वारा दी गई मेन ऑफ़ द सिरीच खालीद पीडावा को दिया गया मैन ऑफ़ द मैच दीपक शेरावत को दिया गया बेस्ट फील्डर लक्की पिडावा रहे मैच के दौरान खिलाड़ियों के जोश,जज़्बे और

खेल प्रतिभा ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। अंतिम ओवर तक चले इस रोमांचक मुकाबले ने क्रिकेट प्रेमियों को अपनी सीटों से बांधे रखा समापन समारोह के मुख्य अतिथि जनाब डॉ. आज़म बेग साहब (संस्थापक एवं निदेशक, जेएलएन एजुकेशन ग्रुप) रहे। अध्यक्षता जिला देहात कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष असरार अहमद ने की विशिष्ट अतिथि मुजफ्फिर ठेकेदार शकील मिर्ज़ा डॉक्टर अशरफ बैग आसिफ़ मिर्ज़ा अफसार प्रधान भूनेश शर्मा रईस भाई कनवास बृजमोहन राठौर बाबू कदीर शाकिब खान रहे जिनका मोहम्मद इमरान मोहम्मद अजहर नदीम मिर्ज़ा तारिफ़ पठान सईद अनवर जीशान ठेकेदार तंसिफ मिर्ज़ा नौशाद मिर्ज़ा टिल्लू ने साफी भेंट कर वह फूल मालाए पहनाकर स्वागत व सम्मान किया कार्यक्रम में सांगोद नगर के अनेक गणमान्य नागरिक, समाजसेवी, खेल प्रेमी एवं युवा बड़ी संख्या में उपस्थित रहे फाइनल मैच की एम्पायरिंग शोएब मिर्जा व शहजाद खान ने की वह कॉमेंट्री रब्बानी खान बासखेड़ा ने की अपने संबोधन में डॉ. आज़म बेग ने कहा कि जिस प्रकार राजस्थान रॉयल्स में युवा खिलाड़ियों ने आईपीएल में प्रदेश का नाम रोशन किया है, उसी प्रकार सांगोद की प्रतिभाओं में भी असीम संभावनाएं हैं उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में सांगोद की धरती से भी कोई खिलाड़ी आईपीएल जैसे बड़े मंच पर पहुंचकर हाड़ौती का नाम गौरवान्वित करेगा। असरार अहमद ने कहा कि खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन,नेतृत्व और आत्मविश्वास का सबसे बड़ा विद्यालय है। ऐसे आयोजन युवाओं को सकारात्मक दिशा देने का कार्य करते हैं प्रतियोगिता के सफल आयोजन पर सांगोद इलेवन टीम की सराहना करते हुए उपस्थित अतिथियों ने आयोजकों को बधाई दी। समापन समारोह में विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्रॉफी और सम्मान पुरस्कार प्रदान किए गए पूरे आयोजन में खेल भावना,भाईचारा और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला, जिसने इसे क्षेत्र की यादगार क्रिकेट प्रतियोगिताओं में शामिल कर दिया।

लोकसभा अध्यक्ष ने रात्रि चौपाल में सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

विकास कार्यों की प्राथमिकताएं तय करने का किया आह्वान

स्मार्ट हलचल| बूंदी

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रविवार को देर रात ग्राम पंचायत कोडीजा में आयोजित रात्रि चौपाल एवं ग्राम संपर्क संवाद कार्यक्रम में ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं, आवश्यकताएं और विकास संबंधी सुझाव सुने। देर रात तक चले संवाद में उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि गांव के लोग आपसी सहमति से विकास कार्यों की प्राथमिकताएं तय करें, ताकि उसी के अनुरूप योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर क्षेत्र का समग्र विकास किया जा सके। बिरला ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता गांवों में मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करना है। हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना, हर खेत को सिंचाई का लाभ दिलाना तथा सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी सुविधाओं को मजबूत बनाना निरंतर प्रयासों का हिस्सा है।

इस दौरान लोकसभा अध्यक्ष ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक निर्देश दिए तथा समस्याओं के शीघ्र समाधान का भरोसा दिलाया।

कार्यक्रम में पूर्व विधायक चंद्रकांता मेघवाल, पूर्व जिला प्रमुख राकेश बोयत, भाजपा जिलाध्यक्ष रामेश्वर मीणा, जिला महामंत्री योगेंद्र श्रृंगी, मायजा सरपंच महेंद्र सिंह, कोडीजा सरपंच महावीर मीणा सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

कलेक्ट्रेट पर कांग्रेस का जबरदस्त प्रदर्शन, लाखेरी की 110 साल पुरानी एसीसी सीमेंट फैक्ट्री फिर चालू करने की मांग

विधायक चांदना एवं प्रेमी की अगुवाई में कांग्रेस नेताओं ने दिया कलेक्ट्रेट गेट पर धरना. आधा घंटे सरकार के खिलाफ की नारेबाज़ी

स्मार्ट हलचल|बूंदी

कांग्रेस ने दो माह से बंद लाखेरी स्थित एसीसी सीमेंट फैक्ट्री फिर शुरू करने की मांग लेकर सोमवार को जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। जिलेभर से पहुंचे कांग्रेस नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने केंद्र एवं राज्य सरकार के खिलाफ नारे लगाए एवं फैक्ट्री तत्काल शुरू करने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान कई बार माहौल गरमाया। मुख्य द्वार पर बैरिकेडिंग के चलते प्रदर्शनकारी कलेक्ट्रेट परिसर में नहीं घुस पाए। प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा: हिंडौली विधायक अशोक चांदना और केशवरायपाटन एमएलए सीएल प्रेमी की अगुवाई में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता दोपहर बाद कलेक्ट्रेट पहुंचे।

इनके हाथों में तख्तियां और बैनर थे। कलेक्ट्रेट पर पहले से बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात था और मुख्य द्वार पर बैरिकेडिंग थी। प्रदर्शनकारी कलेक्ट्रेट परिसर में जाकर ज्ञापन देना चाहते थे, लेकिन पुलिस ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए बाहर ही रोक दिया। इस पर कार्यकर्ता और नेता मुख्य द्वार पर धरने पर बैठ गए और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने कहा, कलेक्ट्रेट के अंदर जाने दो या प्रशासन का कोई अधिकारी बाहर आकर उनसे ज्ञापन ले। आधे घंटे चले प्रदर्शन के बाद अतिरिक्त जिला कलेक्टर रामकिशोर मीणा बाहर आए, जिन्हें प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि लाखेरी की एसीसी सीमेंट फैक्ट्री केवल औद्योगिक इकाई नहीं, बल्कि जिले की पहचान और ऐतिहासिक धरोहर है। इसे किसी भी कीमत पर बंद नहीं होने दिया जाएगा।

लाखेरी सीमेंट फैक्ट्री संकट: एशिया के सबसे पुराने प्लांट में ताला

छावनी बना कलेक्ट्रेट परिसर: प्रदर्शन को देखते प्रशासन पूरी तरह सतर्क दिखा। कलेक्ट्रेट परिसर और आसपास भारी पुलिस बल तैनात किया गया। दो एएसपी, तीन डिप्टी तथा आधा दर्जन थाना अधिकारियों के नेतृत्व में पुलिस जाप्ता तैनात रहा। आरएसी की एक कंपनी तथा रिजर्व पुलिस बल को भी बुलाया गया।

110 वर्ष पुरानी लाखेरी एसीसी केवल फैक्ट्री नहीं, बूंदी की शान।

प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए चांदना बोले, करीब 110 वर्ष पुरानी लाखेरी की एसीसी सीमेंट फैक्ट्री देश की उन चुनिंदा औद्योगिक इकाइयों में शामिल है, जिनका इतिहास आजादी से पहले का है। ऐसी विरासत का बंद होना न केवल लाखेरी बल्कि पूरे राजस्थान और देश के लिए दुर्भाग्यपूर्ण होगा। यह फैक्ट्री लाखेरी की पहचान रही है। हजारों परिवारों की आजीविका इससे जुड़ी है। उन्होंने आरोप लगाया, सरकार और कंपनी प्रबंधन इस मुद्दे पर गंभीरता नहीं दिखा रहे। इस कारण क्षेत्र में असमंजस और बेरोजगारी का संकट गहरा रहा है। आखिरी सांस तक लड़ेंगे हिंडोली विधायक चांदना ने चेताया कि कांग्रेस का एक-एक कार्यकर्ता इस धरोहर को बचाने को आखिरी सांस तक संघर्ष करेगा। उन्होंने कहा कि प्रशासन और सरकार एक माह में कंपनी प्रबंधन से बात कर स्पष्ट करे कि आखिर फैक्ट्री बंद करने की नौबत क्यों आई? उन्होंने कहा, सरकार बताए कि कमी उसकी है या कंपनी की। लाखेरी की यह फैक्ट्री किसी भी हालत में बंद नहीं होनी चाहिए। यदि एक महीने में समाधान नहीं निकला तो यहां से ऐसा आंदोलन उठेगा, जिसकी गूंज पूरे देश में सुनाई देगी। फिर उसे नियंत्रित करना सरकार के बस में नहीं होगा। विधायक प्रेमी ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार की नीतियों से क्षेत्र की औद्योगिक इकाइयों पर संकट है। 110 साल पुरानी फैक्ट्री बंद होने का सीधा असर हजारों परिवारों पर पड़ेगा। लाखों लोगों की आजीविका प्रभावित होगी। प्रेमी ने चेताया कि एक माह में सरकार ने ठोस निर्णय नहीं लिया तो कांग्रेस उग्र आंदोलन करेगी। पीसीसी सदस्य सत्येश शर्मा एवं युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष निशांत नुवाल ने सरकार से तत्काल हस्तक्षेप कर कंपनी प्रबंधन से वार्ता कर फैक्ट्री फिर संचालित कराने की मांग की।

ब्यावर में आईपीएल फाइनल पर ऑनलाइन सट्टा पकड़ाया

स्मार्ट हलचल | ब्यावर

जिला पुलिस और जिला विशेष टीम ने एक बड़ी संयुक्त कार्रवाई करते हुए आईपीएल के फाइनल मैच पर चल रहे ऑनलाइन सट्टे के नेटवर्क को ध्वस्त किया है। पुलिस ने पारस कॉलोनी में छापेमारी कर करीब 19,63,068 रुपये के सट्टे का हिसाब-किताब पकड़ा है। मौके से एक नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर भारी मात्रा में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए गए हैं।

यह पूरी कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक रतन सिंह के निर्देशानुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनुकृति उज्जैनिया और वृत्ताधिकारी राजेश कसाना के सुपरविजन में की गई। 31 मई की रात पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि पारस कॉलोनी स्थित एक मकान में आईपीएल के फाइनल मैच पर ऑनलाइन सट्टा लगाया जा रहा है।

इस पर ब्यावरसिटी थानाधिकारी आशुतोष पाण्डे और डीएसटी प्रभारी विजयसिंह मीणा की संयुक्त टीम ने तुरंत घेराबंदी कर मकान पर छापा मारा। पुलिस ने मौके से सट्टा चला रहे आरोपी दुर्गेश साहू (उम्र 31 वर्ष) को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

निवाई को नहर का पानी दिलाने के लिए किसान महापंचायत की हुंकार-215 गांवों में निकाली 5 दिवसीय जल यात्रा

15 दिन में प्रस्ताव नहीं भेजा तो दिसंबर में मुख्यमंत्री घेराव की चेतावनी-किसानों ने लिया संघर्ष का संकल्प

स्मार्ट हलचल

टोंक/निवाई। निवाई उपखंड को नहर सिंचाई परियोजना से जोड़ने की मांग को लेकर किसान महापंचायत ने बड़ा जनजागरण अभियान चलाते हुए 215 गांवों में पांच दिवसीय 'जल यात्रा' निकाली। 27 मई को पहाड़ी पंचायत मुख्यालय से शुरू हुई यह यात्रा 31 मई की देर रात करीब 1:30 बजे संपन्न हुई। यात्रा के दौरान किसानों ने गांव-गांव जाकर जल संकट, सिंचाई और पेयजल समस्याओं को लेकर जनसमर्थन जुटाया तथा क्षेत्र को नहर से जोड़ने की मांग को लेकर एकजुटता दिखाई।

किसान महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट ने कहा कि यदि आगामी 15 दिनों में जिला प्रशासन और राज्य सरकार निवाई क्षेत्र को सिंचित क्षेत्र घोषित करने तथा नहर परियोजना का प्रस्ताव नहीं भेजती है तो किसान संगठन दिसंबर माह में ट्रैक्टरों के साथ मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेगा। उन्होंने कहा कि बिसलपुर और ईसरदा बांधों से जयपुर को पानी उपलब्ध कराया जा रहा है, जबकि बांधों के समीप स्थित निवाई क्षेत्र के किसान आज भी सिंचाई और पेयजल के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि निवाई की दूरी मात्र 36 से 80 किलोमीटर है, जबकि सैकड़ों किलोमीटर दूर क्षेत्रों तक पानी पहुंचाने की योजनाएं बनाई जा रही हैं। ऐसे में स्थानीय किसानों के साथ अन्याय हो रहा है।

'जल से खेती होगी, खेती से समृद्धि आएगी '

रामपाल जाट ने कहा कि जयपुर क्षेत्र में रामगढ़ बांध, तालाब, तलाई और कुओं जैसे पारंपरिक जल स्रोतों को अतिक्रमण और उपेक्षा के कारण समाप्त होने दिया गया।अब दूसरे जिलों के जल संसाधनों पर निर्भरता बढ़ाकर किसानों के हिस्से का पानी छीना जा रहा है। उन्होंने कहा कि ईसरदा बांध परियोजना की प्रारंभिक योजना में केवल लालसोट और चौथ का बरवाड़ा क्षेत्र के लिए पेयजल का प्रावधान था, लेकिन बाद में इसका दायरा बढ़ा दिया गया।उन्होंने आरोप लगाया कि निवाई क्षेत्र के दोनों ओर से नहरें निकाली जा रही हैं, किसानों की जमीनें अधिग्रहित की जा रही हैं, लेकिन उन्हें पानी नहीं दिया जा रहा। किसान अपनी भूमि भी गंवाए और पानी से भी वंचित रहे, यह किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

मतदान से पहले नेताओं को परखने की अपील

सभा को संबोधित करते हुए किसान नेताओं ने मतदाताओं से आह्वान किया कि जिस प्रकार कोई व्यक्ति खरीदारी से पहले वस्तु को अच्छी तरह परखता है, उसी प्रकार मतदान करते समय उम्मीदवार के कार्य, चरित्र, किसान हितों के लिए संघर्ष और समाज के प्रति योगदान को देखकर ही वोट देना चाहिए। इससे पांच वर्षों तक पछताने की नौबत नहीं आएगी।

गांव-गांव मिला समर्थन, पुष्पवर्षा से हुआ स्वागत

जल यात्रा को गांव-गांव में व्यापक समर्थन मिला। किसानों ने तन, मन और धन से आंदोलन को मजबूती देने का संकल्प लिया। वनस्थली मोड़ निवाई में जल यात्रा का भव्य स्वागत किया गया, जहां बैंड-बाजों, जेसीबी से पुष्पवर्षा तथा सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। इस अवसर पर किसान महापंचायत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रोतास बोहरा, राष्ट्रीय महासचिव अकबर खान, प्रदेशाध्यक्ष मुसद्दीलाल यादव, युवा प्रदेशाध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद चौधरी, प्रदेश उपाध्यक्ष गोपीराम डबास, प्रदेश मंत्री बत्ती लाल बैरवा, जिलाध्यक्ष गोपीलाल डोड़वाड़ी सहित बड़ी संख्या में किसान नेता और ग्रामीण मौजूद रहे। जल यात्रा के संयोजक एवं किसान महापंचायत के निवाई तहसील अध्यक्ष दशरथ सिंह चौहान ने कहा कि निवाई क्षेत्र के किसानों को उनका जल अधिकार दिलाने तक संघर्ष लगातार जारी रहेगा।

एसपी रतन सिंह 'डीजीपी डिस्क' से सम्मानित

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। जिला ब्यावर के पुलिस अधीक्षक रतन सिंह को पुलिस विभाग में उनकी उत्कृष्ट, सराहनीय और उल्लेखनीय सेवाओं के लिए राजस्थान पुलिस के महानिदेशक जयपुर द्वारा प्रतिष्ठित डीजीपी डिस्क से सम्मानित किया गया है। यह ब्यावर जिला पुलिस के लिए अत्यंत गौरव और हर्ष का विषय है। एसपी रतन सिंह के कुशल नेतृत्व में जिला पुलिस ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराधों की रोकथाम में कई मील के पत्थर स्थापित किए हैं। जिले में पुलिस और आम जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने, शिकायतों के त्वरित निस्तारण तथा एक संवेदनशील व उत्तरदायी पुलिस व्यवस्था विकसित करने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

इन उल्लेखनीय कार्यों के लिए मिला सम्मान:

मादक पदार्थों पर कड़ा प्रहार: एनडीपीएस एक्ट के तहत रिकॉर्ड मुकदमे दर्ज कर माल की जब्ती की प्रभावी कार्रवाई की गई। अपराधियों की धरपकड़: जिले के टॉप-10 अपराधियों, ईनामी बदमाशों और स्थायी वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए त्वरित और सक्रिय अभियान चलाए गए।

साइबर सुरक्षा में मिसाल: साइबर फ्रॉड का शिकार हुए पीड़ितों की राशि होल्ड करवाने, रिफंड दिलाने और चोरी व गुमशुदा मोबाइल बरामदगी में ब्यावर पुलिस ने बेहतरीन कार्य किया।

चोरी व नकबजनी का खुलासा: चोरी और नकबजनी के प्रकरणों में मुल्जिमों की त्वरित गिरफ्तारी और शत-प्रतिशत माल बरामदगी सुनिश्चित की गई।

जन-जागरूकता अभियान: उनके नेतृत्व में महिला एवं बाल सुरक्षा, सड़क सुरक्षा, नशामुक्ति (गधा युक्ति) अभियान और कम्युनिटी पुलिसिंग (जनसहभागिता) के विभिन्न कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित किया गया।

जवाजा में कांग्रेस का हल्लाबोल: महंगाई, बेरोजगारी और नीट पेपर लीक के खिलाफ राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

स्मार्ट हलचल

ब्यावर/जवाजा। केन्द्र और राज्य सरकार की नीतियों के खिलाफ सोमवार को जवाजा ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर उतरकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। ब्लॉक अध्यक्ष धर्मसिंह भाटी के नेतृत्व में आयोजित इस प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और महामहिम राज्यपाल के नाम एक पांच सूत्रीय ज्ञापन जवाजा विकास अधिकारी को सौंपा।

महंगाई और बिजली-पानी के संकट से त्रस्त है जनता

प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें स्थिर होने के बाद भी घरेलू बाजार में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस (एलपीजी) के दाम लगातार बढ़ाए जा रहे हैं। इसके अलावा, इस भीषण गर्मी में पूरा जवाजा क्षेत्र बिजली की अघोषित कटौती और पानी की बूंद-बूंद के लिए तरस रहा है। स्थानीय प्रशासन सड़कों की मरम्मत, सफाई व्यवस्था और स्वास्थ्य सुविधाओं को सुधारने में पूरी तरह नाकाम साबित हुआ है।

नीट पेपर लीक ने युवाओं का भविष्य अंधकार में धकेला

नेताओं ने हृश्चश्च' परीक्षा में हुई धांधली और पेपर लीक के मुद्दे पर सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि दिन-रात मेहनत करने वाले लाखों युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है और बार-बार होने वाले पेपर लीक से युवाओं का भर्ती प्रक्रियाओं से भरोसा उठ गया है। युवाओं को रोजगार देने के बजाय सरकारें हाथ पर हाथ धरे बैठी हैं।

प्रदर्शन में ये प्रमुख नेता और पदाधिकारी रहे उपस्थित

इस विशाल विरोध प्रदर्शन में ब्यावर और जवाजा क्षेत्र के तमाम वरिष्ठ कांग्रेसी नेता और सैकड़ों कार्यकर्ता एकजुट हुए, जिनमें मुख्य रूप से: विधानसभा प्रत्याशी पारस पंच, विधानसभा प्रत्याशी मनोज चौहान, वरिष्ठ नेता ओमप्रकाश मिश्रा, पप्पू काठात लसाडिया, मानसिंह सातुखेड़ा।, देवेंद्र काठात, अमीना बानो, जितेंद्र सिंह,जगदीश कुमार, चौथमल बंसीवाल, हरिराम व दिनेश, और अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश कॉर्डिनेटर ऋषि लांबा,मेघराज बोहरा, सोहन मेवाड़ा, शकूर रूपनगर, सिकंदर भाई, रोशन काठात, चांद मोहम्मद, रघुनाथ गुर्जर, इंद्रमल मेघवाल, भंवर कोटडा, शकूर मांडावास, विक्रम सोनी, मदन बामन हेडा, श्रवण बंजारी, ओमप्रकाश जोधावत, सुरेश कुमार आर्य, मुकेश देवता, चिमनलाल, मंगल सिंह भाटी, गोपाल शिव नगरी, नरेंद्र, भूपेंद्र सिंह, सवाई सिंह, कैलाश चंद प्रजापत, अरविंद काठात, शैलेंद्र काठात, उस्मान देवाता, सलाम काठात, रणजीत सोनियाणा, जसपाल, वार्ड पंच हजा देवी, मदन नारपुरा, जेठाराम, रूपा काठात, उमराव खान, नारायण सिंह राजवा, पन्ना सिंह बिलावास, अकबर खान,अमजद खान, ओम गुर्जर, कमलजीत सिंह, राहुल, रविंद्र, महेंद्र, लाल सिंह, लोकेश, शकील भाई, और राजू भट्ट सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कनवाड़ा में नवकुण्डात्मक श्रीगणपति महायज्ञ शुरू: कलश यात्रा से हुआ शुभारंभ, 9 जून को पूर्णाहुति

स्मार्ट हलचल

घाड़ (देवली), टोंक। कनवाड़ा स्थित गणेश जी की बड़ी बावड़ी में सोमवार, 1 जून 2026 से नौ दिवसीय 'श्री हरिहरात्मक नवकुण्डात्मक श्री गणपति महायज्ञ' का शुभारंभ हुआ। इस धार्मिक आयोजन को लेकर क्षेत्र में उत्साह है।

महायज्ञ के पहले दिन कनवाड़ा के तेजाजी मंदिर से एक कलश शोभायात्रा निकाली गई। ढोल-नगाड़ों और बैंड-बाजों के साथ श्रद्धालु लगभग 2 किलोमीटर चलकर गणेश जी की बड़ी बावड़ी पहुंचे। इस दौरान ड्रोन से पुष्प वर्षा की गई। शोभायात्रा में यजमानों को रथों और घोड़ियों पर ले जाया गया।

यज्ञाचार्य पंडित गौरव पाराशर (घाड़) के सानिध्य में महायज्ञ के पहले दिन कई अनुष्ठान संपन्न हुए। इनमें भू शुद्धि, भूत शुद्धि, दशविधि स्नान, पंचांग कर्म, प्रायश्चित कर्म, तीर्थ पूजन, जलयात्रा और मण्डप प्रवेश शामिल थे।

इसके बाद गणपति पूजन, पुण्याहवाचन, मातृका पूजन, नान्दी श्राद्ध, ब्राह्मणवरण और वास्तु पूजन किया गया। योगिनी चैत्रपाल पूजन, अरणी मन्थन, कुण्ड पूजन, अग्नि स्थापना और प्रधान अर्चन भी संपन्न हुए।

इन धार्मिक क्रियाओं के उपरांत हवन, आरती और कीर्तन का आयोजन हुआ। इसके पश्चात उपस्थित श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें भक्तों ने प्रसादी ग्रहण की।

महायज्ञ के दौरान विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के लिए बोलियां भी लगाई गईं। मुख्य झण्डा 52,000 रुपये में प्रधान सुवालाल मीणा (संग्रामगंज) ने लिया। प्रधान कलश भी 21,000 रुपये में प्रधान सुवालाल मीणा (संग्रामगंज) को मिला। ठाकुर जी की बोली 15,000 रुपये में हवलदार केलाराम मीणा (राजकोट) ने ली, जबकि रजत कलश 15,000 रुपये में राजेश लादू मीणा (कनवाड़ा) को मिला। घोड़ी के झण्डे के लिए राजेश लादू मीणा (कनवाड़ा) ने 11,000 रुपये दिए। भामाशाह गणेश राम जाट प्रधान ने यज्ञ समिति को एक लाख रुपये भेंट किए।

यह नौ दिवसीय महायज्ञ 9 जून, 2026 तक जारी रहेगा। आयोजकों के अनुसार, महायज्ञ की पूर्णाहुति 9 जून को होगी, जिसके बाद महाप्रसादी और संत विदाई कार्यक्रम के साथ इसका समापन होगा। इस आयोजन में आसपास के सैकड़ों गांवों से श्रद्धालु लगातार पहुंच रहे हैं।

हज़रत केली वाले बाबा का तीन दिवसीय उर्स आज से

निम्बाहेड़ा। कौमी एकता के प्रतीक हज़रत इब्राहिम शाह उर्फ केली वाले बाबा रहमतुल्लाह अलेह का तीन दिवसीय सद्भावना उर्स का आगाज मंगलवार चादर शरीफ के जुलूस के साथ होगा।

सदर हाजी आमीन खान उर्फ भूरू जागीरदार ने बताया कि 2 जून को शाम 4 बजे बस स्टैंड स्थित हज़रत केली वाले बाबा के आस्ताने से चादर शरीफ का जुलूस शानो शौकत और अकीदत के साथ निकाला जाएगा। आस्ताने आलिया पर चादर पेश कर देश में अमन चैन खुशहाली की दुआ होगी, बाद नमाज-ए-ईशा महफीले मिलाद का आयोजन किया जाएगा। 3 जून को बाद नमाज ईशा तकरीर का प्रोग्राम आयोजित होगा जिसमें हज़रत मौलाना मुफ्ती जलील अहमद रामपुर से आकर तकरीर बयां फरमाएंगे। 4 जून को सुबह 10 बजे से सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित होगा जिसमें 5 जोड़े हमसफर बनेंगे। शाम 4 बजे रंग की महफिल आयोजित होगी जिसमें मशहूर कव्वाल हिफजुर्रहमान हकीमी (कोटा) राजस्थान अपने सूफी कलामों से रंग की महफिल सजायेंगे। बाद नमाज असर दस्तारबंदी, फातेहा ख्वानी और तकसीमें लंगर के साथ तीन दिवसीय उर्स का समापन होगा। सेक्रेट्री इमरान खान ने बताया कि बाबा के उर्स के मौके पर दरगाह परिसर को आकर्षक विद्युत साज-सज्जा से सजाया गया है।

होटल के कमरे में मिला युवक का शव: 24 घंटे बाद भी पोस्टमार्टम अटका, आर्थिक सहायता की मांग पर अड़े परिजन

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। उदयपुर रोड स्थित केसरपुरा पुलिया के पास रविवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब होटल पीपीएस (क्क्र) के एक कमरे में एक युवक का शव मिला। सूचना मिलते ही साकेत नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लेकर शव को कब्जे में लिया। पुलिस ने मृतक की पहचान सांगरवास (जवाजा) निवासी पूरन सिंह के रूप में की है। शव को फिलहाल अमृतकौर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है।

घटना के अगले दिन सोमवार को मोर्चरी के बाहर माहौल गरमा गया। सैकड़ों की संख्या में परिजन और ग्रामीण अस्पताल परिसर में जमा हो गए और प्रदर्शन शुरू कर दिया। घटना को 24 घंटे से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी युवक का पोस्टमार्टम नहीं हो सका है। परिजनों का आरोप है कि प्रशासन इस मामले में ढिलाई बरत रहा है, जबकि वे होटल मालिक से उचित आर्थिक सहायता की मांग कर रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया: 'मृतक पूरन सिंह के तीन छोटे बच्चे हैं। परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद खराब है और वही घर में कमाने वाला मुख्य सदस्य था। बच्चों के पालन-पोषण और भविष्य के लिए परिवार को आर्थिक मदद मिलना बेहद जरूरी है। '

प्रशासन की समझाइश नाकाम, पुलिस मुस्तैद

मामले की गंभीरता को देखते हुए तहसीलदार हनुत सिंह भी मोर्चरी पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से बातचीत की। प्रशासन और परिजनों के बीच लंबे समय तक समझाइश का दौर चला, लेकिन वार्ता किसी ठोस निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सकी। परिजन अपनी मांगों को लेकर अड़े हुए हैं।

पुलिस का बयान:

साकेत नगर थाना पुलिस के अनुसार, वे मामले की हर पहलू से जांच कर रहे हैं। युवक की मौत के वास्तविक कारणों का खुलासायू मेडिकल बोर्ड की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। पुलिस लगातार परिजनों को कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के लिए समझाने का प्रयास कर रही है।

कुत्तों के हमले में मोर की मौत

ब्यावर में वन विभाग और जीव दया संस्था ने संभाला मोर्चा

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। मसूदा रोड स्थित भाटी नगर में आवारा कुत्तों के हमले से एक राष्ट्रीय पक्षी मोर की दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय निवासियों, सामाजिक संस्था और वन विभाग की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले को संभाला।

ऐसे हुआ घटनाक्रम

भाटी नगर निवासी देवेंद्र सिंह भाटी ने देखा कि क्षेत्र में कुछ आवारा कुत्तों ने राष्ट्रीय पक्षी मोर पर हमला कर दिया है। हमले में गंभीर रूप से घायल होने के कारण मोर ने दम तोड़ दिया। श्री भाटी ने बिना वक्त गंवाए इसकी सूचना तुरंत 'श्री जीव दया सेवा संस्था' को दी।

संस्था के पदाधिकारियों ने मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए तत्काल ब्यावर जिला वन विभाग के क्षेत्रीय अधिकारियों से संपर्क किया।

वन विभाग की त्वरित कार्रवाई

सूचना मिलते ही वन विभाग के क्षेत्रीय अधिकारी सुधीर सिंह अपनी टीम के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने आवश्यक कानूनी और विभागीय औपचारिकताएं पूरी करते हुए मृत मोर को अपने कब्जे में लिया और आगे की विभागीय प्रक्रिया (जैसे पोस्टमार्टम) के लिए साथ ले गए।

संस्था की आमजन से अपील: 'समय पर सूचना देना हर नागरिक का कर्तव्य ' इस घटना पर दुख व्यक्त करते हुए 'श्री जीव दया सेवा संस्था' के सदस्यों ने कहा कि वन्य जीवों और पक्षियों की रक्षा करना हर नागरिक का संवैधानिक और नैतिक कर्तव्य है। संस्था ने आम जनता से अपील की है:

'यदि आपको कहीं भी कोई वन्य जीव या पक्षी घायल अवस्था में मिले या संकट में हो, तो तुरंत संबंधित विभाग या सामाजिक संस्थाओं को सूचित करें। आपका एक फोन किसी बेजुबान की जान बचा सकता है। '

क्षेत्रवासियों ने की सराहना

इस दुखद घटना के बीच, स्थानीय निवासियों ने वन विभाग और श्री जीव दया सेवा संस्था द्वारा दिखाई गई मुस्तैदी और त्वरित कार्रवाई की जमकर सराहना की। साथ ही, लोगों ने इस बात पर जोर दिया कि बेजुबान जीवों की सुरक्षा के लिए समाज में वन्य जीव संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना बेहद जरूरी है।

नशे और ऐशो-आराम के लिए बने 'चोर': ब्यावर पुलिस ने खोला 6 महीने पुराने ब्लाइंड मर्डर जैसी नकबजनी का राज, सेकंड हैंड कार और गहने बरामद

चोरी के पैसों से कार खरीद उड़ा रहे थे ऐश, 3 गिरफ्तार

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। जिला पुलिस अधीक्षक रतन सिंह के सख्त निर्देश और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनुकृति उज्जैनिया व सीओ राजेश कसाना के सुपरविजन में ब्यावर सिटी थाना पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। थानाधिकारी आशुतोष पाण्डे के नेतृत्व में पुलिस टीम ने करीब 6 महीने पुराने नकबजनी के एक पेचीदा मामले का पर्दाफाश करते हुए तीन शातिर बदमाशों को दबोच लिया है। पकड़े गए आरोपी इतने शातिर हैं कि उन्होंने चोरी के पैसों से अपनी मौज-मस्ती के लिए एक सेकंड हैंड होंडा सिटी कार तक खरीद डाली थी। पुलिस ने कार, वारदात में प्रयुक्त बाइक और चोरी गए सोने-चांदी के जेवरात बरामद कर लिए हैं।

चोरी की रकम से खरीदी कार, महंगे शौक का था चस्का

पुलिस पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा हुआ। आरोपियों ने बताया कि वे रेकी करके योजनाबद्ध तरीके से वारदातों को अंजाम देते थे। चोरी करने का मुख्य मकसद नशे की लत को पूरा करना और ऐशो-आराम की जिंदगी जीना था। इस वारदात को अंजाम देने के बाद मिले पैसों से उन्होंने एक पुरानी होंडा सिटी कार खरीदी थी ताकि रौब झाड़ सकें। पुलिस ने इस कार और वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया है।

सामाजिक कार्यक्रम में गया था परिवार, पीछे से साफ कर दिया हाथ

घटना पिछले साल 18 दिसंबर 2025 की है। हाउसिंग बोर्ड निवासी जितेंद्र जैन अपने परिवार के साथ एक सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने बाहर गए थे। इसी सूने मकान को देखकर आरोपियों ने प्लानिंग के तहत धावा बोल दिया। अगले दिन जब पीड़ित परिवार घर लौटा, तो अलमारी के ताले टूटे और सामान बिखरा पड़ा था। चोर घर से करीब 10 तोला सोना, 150 ग्राम चांदी के जेवरात और एक प्रेस (इस्तरी) तक समेट कर ले गए थे। ब्यावर सिटी थाने में मामला दर्ज होने के बाद पुलिस लगातार इन अज्ञात चोरों की तलाश में थी।

सीसीटीवी और मनोवैज्ञानिक पूछताछ के आगे टूटे शातिर बदमाश

लंबे समय से पेंडिंग चल रहे इस मामले को सुलझाने के लिए थानाधिकारी आशुतोष पांडे और एएसआई हरनिवास की एक विशेष टीम ग्राउंड पर उतरी। टीम ने घटनास्थल के रूट के दर्जनों सीसीटीवी फुटेज खंगाले और अपराधियों के पुराने रिकॉर्ड्स (कार्य प्रणाली शाखा) की मदद ली। तकनीकी इनपुट के आधार पर पुलिस ने अंधेरी देवरी क्षेत्र से तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया। शुरुआत में तो तीनों आरोपी पुलिस को चकमा देने की कोशिश करते रहे और टाल-मटोल जवाब दिया, लेकिन जब पुलिस ने मनोवैज्ञानिक (साइकोलॉजिकल) तरीके से कड़ाई से पूछताछ की, तो तीनों टूट गए और अपना जुर्म कबूल कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों की कुंडली:

अजीत काठात (26) पुत्र मिठू काठात, निवासी गेनारामपुरा (अंधेरीदेवरी), ब्यावर सदर। इरफान (21) पुत्र रसुल खान, निवासी सरकना (अंधेरीदेवरी), ब्यावर सदर महावीर काठात उर्फ पायलट (26) पुत्र भवरू काठात, निवासी गेनारामपुरा (अंधेरीदेवरी), ब्यावर सदर।

इस टीम ने मिलकर खोला राज:

सफलता हासिल करने वाली टीम में थानाधिकारी आशुतोष पाण्डे, एएसआई हरनिवास, कांस्टेबल दुर्गाराम, ललित, मनीष, अशोक शामिल रहे। इस पूरे मामले को क्रैक करने और कड़ियों को जोड़ने में कांस्टेबल जुगल (742) का विशेष और सराहनीय योगदान रहा।

राधा का अर्थ है ...मोक्ष की प्राप्ति। रा का अर्थ है मोक्ष और ध का अर्थ है प्राप्ति। कृष्ण जब वृन्दावन से मथुरा गए, तब से उनके जीवन में एक पल भी विश्राम नही था। उन्होंने आतताइयों से प्रजा की रक्षा की, राजाओं को उनके लुटे हुए राज्य वापिस दिलवाए और सोलह हज़ार स्त्रियों को उनके स्त्रीत्व की गरिमा प्रदान की। उन्होंने अन्य कईं जनहित कार्यों में अपने जीवन का उत्सर्ग किया।

स्पंदन राधा कृष्ण का

राधा का अर्थ है ...मोक्ष की प्राप्ति। रा का अर्थ है मोक्ष और ध का अर्थ है प्राप्ति। कृष्ण जब वृन्दावन से मथुरा गए, तब से उनके जीवन में एक पल भी विश्राम नही था। उन्होंने आतताइयों से प्रजा की रक्षा की, राजाओं को उनके लुटे हुए राज्य वापिस दिलवाए और सोलह हज़ार स्त्रियों को उनके स्त्रीत्व की गरिमा प्रदान की। उन्होंने अन्य कईं जनहित कार्यों में अपने जीवन का उत्सर्ग किया। श्रीकृष्ण ने किसी चमत्कार से लड़ाइयाँ नहीं जीती। बल्कि अपनी बुद्धि योग और ज्ञान के आधार पर जीवन को सार्थक किया। मनुष्य का जन्म लेकर , मानवता की...उसके अधिकारों की सदैव रक्षा की। वे जीवन भर चलते रहे , कभी भी स्थिर नही रहे ।जहाँ उनकी पुकार हुई,वे सहायता जुटाते रहे।उधर जब से कृष्ण वृन्दावन से गए, गोपियाँ और राधा तो मानो अपना अस्तित्व ही खो चुकी थी।राधा ने कृष्ण के वियोग में अपनी सुधबुध ही खो दी।मानो उनके प्राण ही न हो केवल काया मात्र रह गई थी। राधा को वियोगिनी देख कर ,कितने ही महान कवियों- लेखकों ने राधा के पक्ष में कान्हा को निर्मोही जैसी उपाधि दी।दे भी क्यूँ न ?

राधा का प्रेम ही ऐसा अलौकिक था...उसकी साक्षी थी यमुना जी की लहरें, वृन्दावन की वे कुंजन गलियाँ , वो कदम्ब का पेड़, वो गोधुली बेला जब श्याम गायें चरा कर वापिस आते थे , वो मुरली की स्वर लहरी जो सदैव वहाँ की हवाओं में विद्यमान रहती थी।राधा जो वनों में भटकती ,कृष्ण कृष्ण पुकारती,अपने प्रेम को अमर बनाती,उसकी पुकार सुन कर भी ,कृष्ण ने एक बार भी पलट कर पीछे नही देखा। ...तो क्यूँ न वो निर्मोही एवं कठोर हृदय कहलाए।राधा का प्रेम ही ऐसा अलौकिक था...उसकी साक्षी थी यमुना जी की लहरें , वृन्दावन की वे कुंजन गलियाँ , वो कदम्ब का पेड़, वो गोधुली बेला जब श्याम गायें चरा कर वापिस आते थे , वो मुरली की स्वर लहरी जो सदैव वहाँ की हवाओं में विद्यमान रहती थी ... किन्तु कृष्ण के हृदय का स्पंदन किसी ने नहीं सुना।स्वयं कृष्ण को कहाँ कभी समय मिला कि वो अपने हृदय की बात..मन की बात सुन सकें। या फिर क्या यह उनका अभिनय था? जब अपने ही कुटुंब से व्यथित हो कर वे प्रभास -क्षेत्र में लेट कर चिंतन कर रहे थे तब जरा के छोडे तीर की चुभन महसूस हुई।तभी उन्होंने देहोत्सर्ग करते हुए, राधा शब्द का उच्चारण किया। जिसे जरा ने सुना और उद्धव को जो उसी समय वह पहुँचे..उन्हें सुनाया।उद्धव की आँखों से आँसू लगातार बहने लगे।सभी लोगों को कृष्ण का संदेश देने के बाद ,जब उद्धव ,राधा के पास पहुँचे ,तो वे केवल इतना कह सके -

राधा, कान्हा तो सारे संसार के थे,
किन्तु राधा तो केवल कृष्ण के हृदय में थी

कष्टहरता जय हनुमान...

हनुमान बजरंगबली और महावीर के नामों से जाने जाने वाले पवनसुत सप्त चिरंजीवियों में से एक हैं। पद्म-पुराण के 56-6-7 वें श्लोक में उनका अन्य छः चिरंजीवियों के साथ नाम इस प्रकार आता है-

अश्वत्थामा बलिव्यासो हनुमानन्च विभीषण।
कृप परशुरामश्च सप्तैत चिरंजीविन।

वस्तुतः रामभक्त, संकटमोचन, रामसेवक, रामदूत, केशरीनंदन, आंजनेय, अंजनीसुत, कपीश, कपिराज, पवनसुत और संकटमोचक के रूप में विख्यात हनुमान अपने भक्तों को व्याधियों व संकटों, वेदनाओं तथा परेशानियों से मुक्ति दिलाते हैं।

हनुमान भक्ति व पूजा का लाभ

हर व्यक्ति को जीवन में अनेक समस्याओं से गुजरना पड़ता है, ऐसे में हनुमानजी का स्मरण उसकी कष्टों से रक्षा करता है। जहाँ हनुमानजी का नाम मुश्किलों से बचाव करता है, वहीं वह मन से अनजाने भय को निकालकर शुभ व मंगल का पथ प्रशस्त करता है, विपत्तियों से मुक्ति दिलाता है।

वास्तव में, हनुमानजी रामभक्ति, सत्य मर्यादा, ब्रह्मचर्य, सदाचार व त्याग की चरम सीमा हैं। इसका सविस्तार वर्णन हमें सुंदरकांड में मिलता है। इसीलिए सुंदरकांड का पाठ करने से अनिष्ट, अमंगल तथा संकट की समाप्ति होती है, और नेष्ट का रास्ता खुलता है। सुंदरकांड का पाठ करने से हनुमानजी प्रसन्न होते हैं, तथा भक्त को सुपरिणाम प्रदान करते हैं।

कार्यसिद्धि के लिए भी सुंदरकांड का पाठ किया जाता है।परंतु इस हेतु पाठ अमावस्या की रात्रि से शुरू करके नियमित रूप से 45 दिन करना चाहिए। इसके अतिरिक्त नवरात्रि के समय भी सुंदरकांड का पाठ करना उचित माना जाता है।एक ऐसी भी मान्यता है कि नौ ग्रहों को रावण की कैद से केशरीनंदन ने ही म ु क्त कराया था। उस समय शनि ने हनुमानजी को वचन दिया था कि- हे हनुमान! जो कोई भी आपकी पूजा-अर्चना करेगा, मैं उसे नहीं सताऊँगा। साधक को मंगलवार व शनिवार की पूजा करने से विशेष लाभ प्राप्त होता है।यथार्थ तो यह है कि कलियुग में महावीर हनुमान का नाम सही अर्थों में संकटमोचन है।

माँ गंगा का प्राकट्य

शिव का हिमालय और गंगा से घनिष्ठ संबंध है और गंगा से उनके संबंध की कथा से लोकप्रिय चित्रांकन बड़ा समृद्ध हुआ है।हिंदुओं के लिए समस्त जल, चाहे वह सागर हो या नदी, झील या वर्षाजल, जीवन का प्रतीक है और उसकी प्रकृति दैवी मानी जाती है। इस संदर्भ में प्रमुख हैं तीन पवित्र नदियाँ- गंगा, यमुना और काल्पनिक सरस्वती।इनमें से पहली नदी सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।

चूँकि गंगा स्त्रीलिंग हैं, इसलिए उसे लंबे केशों वाली महिला के रूप में अंकित किया जाता है।देवी के रूप में गंगा उन सबके पाप धो देती है जो इतने भाग्यशाली हों कि उनकी भस्म उसके पवित्र जल में प्रवाहित की जाए। ब्रह्मवैवर्त पुराण में गंगा को संबोधित करने वाले एक पद में स्वयं शिव कहते हैं- पृथ्वी पर लाखों जन्म-जन्मान्तर के दौरान एक पापी जो पाप के पहाड़ जुटा लेता है, गंगा के एक पवित्र स्पर्श मात्र से लुप्त हो जाता है।जो भी व्यक्ति इस पवित्र जल से आर्द्र हवा में साँस भी ले लेगा, वह निष्कलंक हो जाएगा।विश्वास किया जाता है कि गंगा के दिव्य शरीर के स्पर्श मात्र से हर व्यक्ति पवित्र हो जाता है। भारतीय देवकथा में सर्वाधिक रंगीन कहानियाँ हैं उन परिस्थितियों के बारे में जिनमें गंगा स्वर्गलोक से उतरकर पृथ्वी पर आई थीं।

एक समय कुछ राक्षस थे जो ब्राह्मण ऋषि-मुनियों को तंग करते थे और उनके भजन-पूजा में बाधा डाला करते थे।जब उनका पीछा किया जाता था तो वे समुद्र में छिप जाते थे, मगर रात में फिर आकर सताया करते थे। एक बार ऋषियों ने ऋषि अगस्त्य से प्रार्थना की कि वे उनको राक्षसी प्रलोभन की यातना से मुक्त करें। उनकी सहायता के उद्देश्य से अगस्त्य ऋषि राक्षसों समेत समुद्र को पी गए। इस प्रकार उन राक्षसों का अंत हो गया किंतु पृथ्वी जल से शून्य हो गई। तब मनुष्यों ने एक और ऋषि भगीरथ से प्रार्थना की कि वे सूखे की विपदा से उन्हें छुटकारा दिलाएँ।इतना बड़ा वरदान पाने के योग्य बनने के लिए भगीरथ ने तपस्या करने में एक हजार वर्ष बिता दिए और फिर ब्रह्मा के पास गए और उनसे प्रार्थना की कि वे स्वर्गलोक की नदी गंगा को- जो आकाश की नक्षत्र धाराओं में से एक थी- पृथ्वी पर उतार दें। भगीरथ की तपस्या से प्रसन्न होकर ब्रह्मा ने यथाशक्ति प्रयत्न करने का वचन दिया और कहा कि वे इस मामले में शिव से सहायता माँगेंगे।उन्होंने समझाया कि अगर स्वर्गलोक की वह महान नदी अपने पूरे वेग और समस्त जल के भार के साथ पृथ्वी पर गिरी तो भूकंप आ जाएँगे और उसके फलस्वरूप बहुत विध्वंस होगा। अतः किसी को उसके गिरने का आघात सहकर उसका धक्का कम करना होगा और यह काम शिव के अतिरिक्त और कोई नहीं कर सकता। भगीरथ उपवास और प्रार्थनाएँ करते रहे। समय आने पर शिव पसीजे। उन्होंने गंगा को अपनी धारा पृथ्वी पर गिराने दी और उसके आघात को कम करने के लिए उन्होंने पृथ्वी और आकाश के बीच अपना सिर रख दिया। स्वर्गलोक का जल तब उनके केशों से होकर हिमालय में बड़े सुचारु रूप से बहने लगा और वहाँ से भारतीय मैदानों में पहुँचा जहाँ वह समृद्धि, स्वर्गलोक के आशीर्वाद और पापों से मुक्ति लेकर आया।

कुछ आसान और अचूक टोटके

समय की कमी और भागदोड़ से भरी जिंदगी ने आज इंसान को हेरान परेशान कर रखा है। यहां हम जिन टोटकों यानि कि युक्तियों को दे रहें हैं वे ऐसी ही अद्भुत और कारगर युक्तियां हैं।ये तुलसी रामायण के प्रामाणिक और शक्ति सम्पन्न अंस हैं।जिनको सूर्योदय से पूर्व पूर्ण शांत एवं पूर्ण एकांत स्थान पर मात्र 15 मिनिट मंत्र की तरह जपने से इच्छित मनोकामना अवश्य पूर्ण होती है।

- धन-समृद्धि की वृद्धि के लिये - जे सकाम नर सुनहिं जे गावहिं, सुख सम्पति नाना विधि पावहिं ।
- मुकद्दमा जीतने के लिये - पवन तनय बल पवन समाना, बुद्धि विवेक विज्ञान निधाना ।
- पुत्र प्राप्ति के लिये - प्रेम मगन कोशल्या निशिदिनि जात न जान, पुत्र सनेह बस माता बालचरित कर गान ।

कौन थीं कृष्ण की 16108 रानियां?

श्रीकृष्ण का नाम आते ही हमारे मन असीम प्रेम उमड़ता है। सभी जानते हैं कि असंख्य गोपियां थी जो श्रीकृष्ण से अनन्य प्रेम करती थीं। परंतु उनकी शादी श्रीकृष्ण से नहीं हो सकी। श्रीकृष्ण की प्रमुख पटरानी रुकमणी पटरानी रुकमणी सहित उनकी 8 पटरानियां एवं 16100 रानियां थीं। कुछ विद्वानों का यह मत है कि कृष्ण की प्रमुख रानियां तो आठ ही थीं, शेष 16,100 रानियां प्रतीकात्मक थीं। इन्हें वेदों की ऋचाएं माना गया है।ऐसा माना जाता है चारों वेदों में कुल एक लाख श्लोक हैं। इनमें से 80 हजार श्लोक यज्ञ के हैं, चार हजार श्लोक पराशक्तियों के हैं। शेष 16 हजार श्लोक ही गृहस्थों या आम लोगों के उपयोग के अर्थात भक्ति के हैं। इन श्लोकों को ऋचाएं कहा गया है, ये ऋचाएं ही भगवान कृष्ण की पत्नियां थीं। श्रीकृष्ण की प्रत्येक रानी से 10-10 पुत्र एवं प्रत्येक रानी से 1-1 पुत्री का जन्म हुआ।

क्या है कृष्ण की रासलीला का सच?

कुछ लोग अपने आपको कृष्ण भक्त या कृष्ण के अनुयाई बताकर चेहरे पर बड़े गर्व के भाव व्यक्त करते हुए घूमते हैं। यदि उनसे पूछा जाए कि क्या है कृष्ण का मतलब? क्या था कृष्ण का व्यक्तित्व, और क्या क हते हैं कृष्ण अपनी गीता में क्या रसिया कृष्ण की गीता में रासलीला का बड़ा ही सुन्दर वर्णन आया है इतना पूछने पर, अपने आप को कृष्ण का अनुयाई कहने वाले ये तथाकथित कृष्ण भक्त खिसियाकर बगलें झांकने लगते हैं।

वास्तविकता यह है कि रास शब्द रस से ही बना है।जबकि रस शब्द का अर्थ है आनंद।आगे चलकर हम देखते हैं कि संगीत के साथ किये जाने वाले नृत्य को ही काव्य अथवा साहित्य में रास संज्ञा से सूचित किया जाने लगा।पता नहीं रासलीला को लेकर समाज में यह गलत मान्यता कैसे प्रचलित हो गई।संस्कृत कवि जयदेव ने अपने काव्य में कृष्ण को नायक बनाकर कई श्रृंगारिक गीतों की रचना की जो कि पूरी तरह काल्पनिक एवं मनगढ़ंत हैं। जयदेव की परंपरा को ही बाद में विद्यापति....से लेकर सूरदास ने आगे बढ़ाया।

नौ वर्ष के कृष्ण- एक अति महत्वपूर्ण बात और भी है जिससे बहुत कम ही लोग परिचित हैं। वह यह है कि जब कृष्ण ने हमेशा-हमेशा के लिये गोकुल-वृंदावन छोड़ा तब उनकी उम्र मात्र नौ वर्ष की थी। इससे यह तो स्पष्ट ही है कि कृष्ण जब गोप-गोपिकाओं के साथ गौकुल-वृंदावन में थे तब नौ वर्ष से भी छोटे रहे होगें। अति मनोहर रूप, बांसुरी बजाने में अत्यंत निपुण, अवतारी आत्मा होने के कारण जन्मजात प्रतिभाशाली आदि तमाम बातों के कारण वे आसपास के पूरे क्षेत्र में अत्यंत् लोकप्रिय थे। नौ वर्ष के बालक का गोपियों के साथ नृत्य करना एक विशुद्ध प्रेम और आनंद का ही विषय हो सकता है। अत कृष्ण रास को शारीरिक धरातल पर लाकर उसमें मोजमस्ती या भोग विलास जेसा कुछ ढूंढना इंसान की स्यवं की फितरत पर निर्भर करता है। कृष्ण के प्रति कोई राय बनाने से पूर्व इंसान को गीता को समझना होगा क्योंकि उसके बिना कोई कृष्ण को वास्तविक रूप में समझ ही नहीं पाएगा।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com